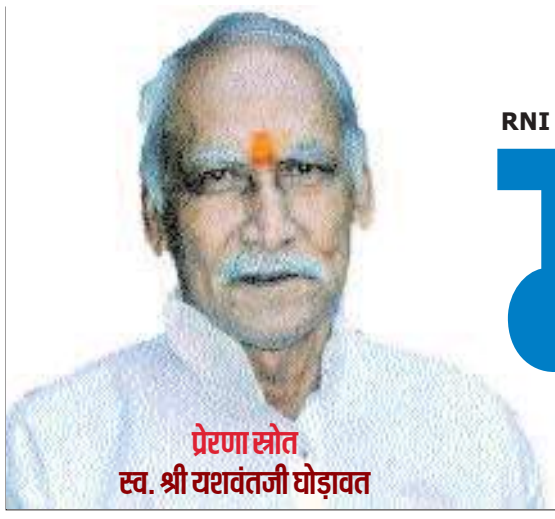

प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ..सच

माही की गूंज

Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

कोशिश हमेशा आखिरी सांस तक करना चाहिए, या तो लक्ष्य हासिल होगा या अनुभव....

पंडित प्रदीप मिश्रा

वर्ष-04, अंक -22 (साप्ताहिक) | खवासा, गुरुवार 3 मार्च 2022 | पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

देश के हर नागरिक की सुरक्षा करना सरकार का कर्तव्य

माही की गूंज, संजय भटेवरा

रूस और यूक्रेन के बीच जंग में हजारों भारतीय विद्यार्थी जो यूक्रेन में रह कर पढ़ाई कर रहे थे, का जीवन खतरे में पड़ गया। जिसके बाद सरकार उनकी घर वापसी के लिए ऑपरेशन गंगा अभियान चला रही है, जिसकी समीक्षा स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर रहे है। वही अपने मंत्रिमंडल के 4 सदस्यों को इसके लिए मोर्चो पर लगाया गया है। निश्चित रूप से संकट की इस घड़ी में सरकार ने बच्चों के परिवारों की पीड़ा को समझा है और सरकार हर संभव प्रयास कर रही है कि बच्चो कि जल्द से जल्द और सकुशल घर वापसी हो, सरकार का यह प्रयास सराहनीय है।

लेकिन सरकार के इस पवित्र अभियान को लेकर भी सोशल मीडिया पर जंग छिड़ी हुई है और कुछ असामाजिक तत्व इसका विरोध भी कर रहे हैं। पक्ष और विपक्ष में तर्क-कुतर्क दिए जा रहे है। वहीं कुछ लोग पढ़ाई कर रहे छात्रों को ही नसीहत दे रहे हैं कि, देश में इतनी शिक्षण व्यवस्था होने के बाद ये लोग आखिर विदेश पढ़ाई करने इतना भारी खर्च वहन कर क्यों जा रहे हैं...? क्या इन्हें देश की शिक्षण व्यवस्था पर भरोसा नहीं था..? और ये जब अपनी रिस्क पर देश को छोड़कर पढ़ाई करने गए थे, तो वापसी भी इनका अपना निजी मसला है। निश्चित रूप से वर्तमान में यह कहना आसान है लेकिन दर्द का अहसास उसी को होता है जिसे चोट लगी हो। ऐसे युद्ध के भयावह माहौल में अपने बच्चों की चिंता सभी माता-पिता को होना स्वाभाविक है और देश के हर नागरिक की सुरक्षा करना सरकार का मुख्य दायित्व है। अगर सरकार ऑपरेशन गंगा अभियान चलाकर देश के बच्चों की कुशल घर वापसी करा रही है, तो वह अपने कर्तव्य का निर्वहन ही कर रही है। इस कार्य को राजनीतिक लाभ-हानि की दृष्टि से नहीं देखा जाना चाहिए न ही इसको लेकर बहस होनी चाहिए।

बल्कि बहस इस बात को लेकर होनी चाहिए कि, आखिर क्यों इन बच्चों को शिक्षा प्राप्त करने के लिए अपना घर परिवार छोड़कर इतनी दूर जाना पड़ा...? सरकार तमाम दावे करती है, बजट का एक बड़ा हिस्सा शिक्षण व्यवस्था पर ही खर्चा होता हे... उसके बाद भी अगर बच्चे बाहर जा रहे हैं तो,

या तो सरकार के प्रयास में कमी है... या फिर भारतीय व्यवस्था को बच्चे स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं... या उनमें धैर्य की कमी है... जो उन्हें जल्दी सफलता प्राप्त करने के लिए यहां की व्यवस्था को नकार कर अपने खर्चे पर डिग्री प्राप्त करने की चाह विदेश खींचकर ले जा रही है।

आखिर बच्चे विदेश क्यों जा रहे हैं...?

भारत में मेडिकल संस्थान में प्रवेश के लिए अखिल भारतीय स्तर पर एक परीक्षा आयोजित की जाती है जिसे एनईईटी (नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंटेऊस टेस्ट) राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा कहा जाता है। जिसमें पूरे भारत के छात्रों के लिए एमबीबीएस व बीडीएस में प्रवेश के लिए बच्चे परीक्षा के माध्यम से पात्रता हासिल करते हैं। वर्तमान में भारत में 83 हजार 2 सौ एमबीबीएस व 26 हजार 9 सौ 49 बीडीएस सीटें उपलब्ध है। प्रतिवर्ष इतनी सीटें भरने के बाद शेष बच्चे जिन्हें इन कॉलेजों में प्रवेश नहीं मिल पाता है वे एजेंटों के माध्यम से विदेशों की ओर रुख करते हैं। भारत में एक रैकेट चल रहा है जो ऐसे विद्यार्थियों के माता-पिता व विद्यार्थियों से संपर्क कर उन्हें पढ़ाई, रहने, खाने का पैकेज दिखला कर व बच्चों को डॉक्टर बनाने का सपना दिखाकर एक मोटी रकम ऐठ कर बच्चों को यूक्रेन, किरकिस्ता, पोलैंड व अन्य देशों के कॉलेजों में एडमिशन करवा देते है। वहां की पढ़ाई पूर्ण करने के बाद ये बच्चे भारत आकर अपना रजिस्ट्रेशन करा कर, अपनी डॉक्टरी या सरकारी नौकरी के पात्र हो जाते हैं। अपने बच्चों को डॉक्टर बनाने की चाह ही इन्हें विदेश भेजने पर मजबूर करती है।

निश्चित रूप से सपने देखना बुरी बात नहीं है। हमारे पूर्व राष्ट्रपति महान वैज्ञानिक, मिसाइल मैन, डॉक्टर अब्दुल कलाम तो बच्चों से हमेशा ही बडे सपने देखने का आवाहन करते थे और कहते थे कि, उच्चे सपने रात में देखो और दिन में उनको पूरा करने का ईमानदारी से प्रयास करो। सरकार को भी चाहिए कि, वे देश की शिक्षण व्यवस्था को ही इतनी मजबूत और व्यापक बनाएं जिससे देश के बच्चों को बाहर ना जाना पड़े, वरन् बाहर के बच्चे आकर यहां पढ़ाई करें। ऑपरेशन गंगा की सफलता के लिए हम सभी कामना करते हैं और उम्मीद करते हैं कि, सरकार सभी बच्चों की सकुशल घर वापसी करवाएगी। हालांकि कर्नाटक व पंजाब के छात्र की मौत की दुखदाई खबर सामने आई है लेकिन प्रत्येक भारतवासी यह दुआ अवश्य कर रहा है कि, सभी बच्चे सकुशल घर पहुंच जाए।

यूक्रेन में जान गंवाने वाले नवीन के पिता ने देश के एजुकेशन सिस्टम पर उठाए सवाल

नई दिल्ली।

रूस और यूक्रेन के बीच जारी जंग में आम लोगों की जाने जा रही है। रूस लगातार यूक्रेन की राजधानी कीव पर बमबारी कर रहा है। वहीं, सेना कई शहरों में बम गिरा रही है। जंग के बीच लोग अपनी जान बचाने के लिए लोग सुरक्षित ठिकाना ढूंढ रहे हैं। इस युद्ध में कई लोग अपनी जान गंवा चुके है। यूक्रेन में मेडिकल की पढ़ाई करने वाले एक भारतीय छात्र नवीन शेखरप्पा की रूसी हमले में मौत हो गई। नवीन के पिता ने देश के एजुकेशन सिस्टम पर सवाल उठाए हैं।

पीयूसी में 97 प्रतिशत अंक मिले, फिर भी नहीं मिली मेडिकल सीट

नवीन के पिता ने कहा कि, वह डॉक्टर बनने का सपना लेकर एमबीबीएस की पढ़ाई करने के लिए यूक्रेन गया था। अपने देश के शिक्षा प्रणाली पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि, पीयूसी में नवीन ने 97 प्रतिशत अंक हासिल किए थे। इसके बावजूद भी उनके बेटे को प्रदेश में मेडिकल की एक सीट भी नहीं मिल पाई।

मेडिकल की एक सीट के लिए होते है करोड़ों खर्च

यूक्रेन के खारकीव में रूसी गोलीबारी में जान गंवाने वाले नवीन के पिता ने कहा कि, आज के समय में सभी माता-पिता अपने बच्चों की पढ़ाई के लिए लाखों करोड़ों रुपए खर्च कर रहे है। अच्छे नंबर आने के बाद भी कॉलेजों में चयन नहीं हो पाता है। नवीन के पिता ने कहा कि, अपने देश में मेडिकल की एक सीट के लिए करोड़ों रपए खर्च करने पडते है। वहीं इससे कम खर्च में भारतीय बच्चे दूसरे देशों में यहीं पढ़ाई करने के लिए जाते है।

सड़क दुर्घटना से बचने के लिए बालिकाओं ने बनाया स्मार्ट चश्मा

रायपुर।

छत्तीसगढ़ के पिथौरा की स्कूली छात्राओं ने सड़क हादसों को कम करने के लिए एक सराहनीय कदम उठाया है। लंबे सफर के दौरान वाहन चालकों को आने वाली झपकी और इससे होने वाली दुर्घटनाओं से बचने के लिए स्कूल की बच्चियों ने स्मार्ट चश्मा तैयार किया है। जानकारी अनुसार बालिकाओं को इस प्रोजेक्ट को चुनने का ख्याल टीवी और अखबारों में नींद और झपकी से होने वाली दुर्घटनाओं की खबरों से आया था। इसके बाद उन्होंने सोचा कि कुछ किया जाए, जिससे सड़क हादसों को कम किया जा सके।

बजेगा अलार्म

लड़कियों ने ये चश्मा गाड़ी ड्राइव करते समय झपकी आने पर न केवल अलार्म बजा देगा बल्कि तेजी से वाइब्रेट होना भी शुरू हो जाएगा, जबकि अलार्म वाहन के रुकने तक जारी रहेगा। पिथौरा के संस्कार शिक्षण संस्थान व कन्या शाला की तीन छात्राएं पायल बरिहा, तेजस्वी डड़सेना और जीतिका डडसेना ने 3 महीने लगातार मेहनत के बाद इस स्मार्ट चश्मे को तैयार किया है। इसे तैयार करने में छात्राओं को संस्कार शिक्षण संस्थान के संचालक गौरव चंद्राकर का मार्गदर्शन मिला। छात्राओं का कहना है, इस प्रोजेक्ट को चुनने का ख्याल टीवी और अखबारों में नींद और झपकी से होने वाली दुर्घटनाओं की खबरों से आया था। ये चश्मा नींद आने पर अलर्ट करता है। इस चश्मे में आईआर सेंसर, बजर, वाइब्रेशन सेंसर और एलईडी लाइट लगाई गई है। इसे गाड़ी चलाते समय आसानी से पहना जा सकेगा। इसे पहनने के बाद गाड़ी चलाने वाले व्यक्ति को जैसे ही झपकी आएगी, इसमें लगा सेंसर इसे डिटेक्ट कर लेगा और अलार्म बजने लगेगा। इसके साथ ही इस में लगी लाइट भी जलने लगेगी, जिससे चालक सतर्क हो जाएगा। सामान्य स्थिति में इंसान हर मिनट में तकरीबन 15 बार अपनी पलकें झपकता है, इसी के आधार पर चश्मे की टाइमिंग सेट की गई है।

नेताओं के लुभावने वादों पर रोक की याचिका पर होगी सुनवाई

नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट आज उस याचिका पर सुनवाई करेगा जिसमें राजनीतिक दलों के खिलाफकथित तौर पर मुफ्त उपहार देकर मतदाताओं को लुभाने के लिए प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश देने की मांग की गई है। भारत के मुख्य न्यायाधीश एनवी रमना, जस्टिस एएस बोपन्ना और हेमा कोहली की पीठ ने मामले को सुनवाई के लिए गुरुवार तक के लिए स्थगित कर दिया था। जब अधिवक्ता बरुण कुमार सिन्हा ने मामले की जल्द सुनवाई की मांग उठाई।

एनवी रमना ने कहा, जब चुनाव खत्म हो तो सब भूल जाओ। अदालतें क्या करेंगी, चुनाव रोकेंगी? जगह-जगह चुनावी घूसखोरी हो रही है। हम जानते हैं। यह एक राज्य की बात नहीं है। आपको अदालत के सामने साबित करना होगा।

हिंदू सेना के उपाध्यक्ष ने दाखिल की याचिका

हिंदू सेना के उपाध्यक्ष सुरजीत सिंह यादव द्वारा दायर याचिका में कहा गया है कि, वह मौजूदा विधानसभा चुनावों में कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी और आम आदमी पार्टी द्वारा किए गए चुनावी वादों से दुखी हैं। जनहित याचिका में विधानसभा चुनावों के दौरान मतदाताओं और जनता को राजनीतिक दलों द्वारा उनकी सरकार के सत्ता में आने पर किए गए वादों को चुनौती दी गई है। याचिका में मांग की गई है कि, उत्तर प्रदेश में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी और पंजाब में आम आदमी पार्टी द्वारा विधानसभा चुनाव 2022 में खड़े किए गए सभी उम्मीदवारों को अयोग्य घोषित किया जाए।

कांग्रेस, सपा, बसपा और आप के खिलाफकेस दर्ज करने की मांग

याचिका में कांग्रेस, सपा, बसपा और आप के खिलाफप्राथमिकी दर्ज करने के लिए निर्देश देने की मांग की गई है। इसमें कहा गया है कि, अगर ये दल उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा और मणिपुर चुनाव में सरकारी खजाने से उपहार, सामान, धन की पेशकश करके मतदाताओं को प्रेरित करते हैं तो लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 123(1)(ए) के तहत किए गए अपराध के लिए इन पर मुकदमा दर्ज किया जाए। याचिका में यह भी कहा गया है कि जो उम्मीदवार मुफ्त में उपहार देते हुए पाए जाते हैं उन्हें चुनाव लड़ने से अयोग्य घोषित किया जाए।

याचिका में आगे तर्क दिया गया है कि, चुनाव आयोग को नामांकन दाखिल करते समय एक तंत्र विकसित करने के लिए निर्देशित किया जाना चाहिए, जिसमें उम्मीदवारों की ओर से इस आशय की घोषणा हो कि जिन राजनीतिक दलों कि तरफसे वे चुनाव लड़ रहे हैं। उसने कोई प्रस्ताव और मुफ्त उपहार का वादा नहीं किया है। यदि उम्मीदवारों द्वारा इस तरह की घोषणाएं गलत पाई जाती हैं, तो ऐसे उम्मीदवारों को चुनाव लड़ने से अयोग्य घोषित कर दिया जाना चाहिए और यदि वे चुने जाते हैं, तो ऐसे चुनाव को अमान्य घोषित किया जाना चाहिए।

मांगों को लेकर धरने पर बैठे नगरी निकाय के पूर्व पदाधिकारी

भोपाल।

मध्य प्रदेश में पंचायत चुनाव निरस्त होने के बाद शिवराज सरकार ने पंचायतों के संचालन की जिम्मेदारी पूर्व पदाधिकारियों को ही दे दी थी। क्योंकि उस वक्त इन पदाधिकारियों ने उस फैसले का विरोध जताया था जिसमें उनसे वित्तीय अधिकार वापस ले लिए गए थे। ऐसे में सीएम ने अपना फैसला पलटते हुए उनके अधिकार वापस दे दिए। अब यही मांग नगरीय निकायों में चुने गए पूर्व पदाधिकारी भी कर रहे हैं।

भोपाल में हुआ प्रदर्शन

दरअसल, मध्य प्रदेश के अलग-अलग नगरीय निकाय क्षेत्रों से आए नगरीय निकायों के पूर्व अध्यक्ष और पार्षदों ने नगरीय प्रशासन मंत्री भूपेंद्र सिंह के बंगले के बाहर अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया है। अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे इन पदाधिकारियों ने पंचायतों की तर्ज पर अपने वित्तीय अधिकार वाप करने की मांग की है। इसके अलावा उनका कहना है कि, अगर सरकार उन्हें उनके वित्तीय अधिकार वापस नहीं देती तो फिर प्रदेश में जल्द से जल्द नगरीय निकाय चुनाव होने चाहिए। अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे इन पदाधिकारियों का कहना है कि, नगरीय निकायों का कार्यकाल पूरा होने के बाद अब तक चुनाव नहीं हुए हैं, नगरीय निकायों में जनप्रतिनिधि नहीं होने के कारण जनता परेशान हो रही है। जबकि इससे विकास के कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं, इसलिए उन्हें उनके अधिकार वापस दिए जाए। इसके अलावा उन्होंने अध्यक्ष पद के लिए चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली से कराने की भी मांग की है।

पहले भी जता चुके हैं विरोध

यह कोई पहला मौका नहीं है जब राजधानी भोपाल में प्रदेश के नगरीय निकायों पूर्व पदाधिकारियों ने अपना विरोध जताया है, इससे पहले भी नगरीय प्रशासन मंत्री भूपेंद्र सिंह के बंगले पर पहुंचकर कई पदाधिकारियों ने धरना दिया था। उनकी मांग है कि, जब प्रदेश में निकाय चुनाव नहीं हो रहे हैं तो उन्हें भी उनके वित्तीय अधिकार वापस दिए जाए। उनका कहना था कि, जब ग्राम पंचायत से लेकर जिला पंचायत तक के पूर्व पदाधिकारियों को वित्तीय अधिकार दे दिए गए हैं, इसलिए शहरी क्षेत्रों में विकास के काम अवरुद्ध न हो, इसके लिए अब हमे भी ये अधिकार वापस दिए जाने चाहिए। ताकि विकास के कार्य सतत चलते रहे।

यूक्रेन से 6 हजार भारतीय वापस लौटे अपने घर

नई दिल्ली।

यूक्रेन के खारकीव में अब भी कई भारतीय छात्र फंसे हुए हैं। यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों को बचाने की कोशिश जारी है। सरकार भारतीयों को वापस लाने के लिए ऑपरेशन गंगा चला रही है। 26 फरवरी से शुरू हुए इस अभियान के तहत अब तक 2 हजार से ज्यादा भारतीयों को वापस लाया जा चुका है। इस बीच केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री वी मुरलीधरन ने कहा कि, युद्धग्रस्त यूक्रेन में फंसे 20 हजार भारतीयों में से 6 हजार को अब तक देश वापस लाया जा चुका है और केंद्र बचे हुए लोगों की सुरक्षित वापसी के लिए सभी प्रयास कर रहा है। उन्होंने बताया कि, लगभग 20 हजार छात्र व नागरिक यूक्रेन में फंसे हुए थे। उनमें से 4 हजार को 24 फरवरी से पहले भारत वापस लाया गया था। इसके अलावा 2 हजार छात्रों को मंगलवार तक भारत वापस लाया गया है।

विधानसभा उपाध्यक्ष को लेकर नरोत्तम मिश्रा का बड़ा बयान

भोपाल।

विधानसभा के बजट सत्र के पहले दिन विधानसभा उपाध्यक्ष पद को लेकर घमासान देखने को मिला था। कांग्रेस उपाध्यक्ष पद अपने लिए मांग रही है। कांग्रेस का कहना है कि, परंपराओं के तहत उपाध्यक्ष पद विपक्ष के पास ही रहता है। मामले पर राजनीतिक पारा बढ़ चुका है। इस बीच गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा का बड़ा बयान सामने आया है, जिसमें उन्होंने कांग्रेस को दो टूक सुनाई है। कांग्रेस का मत है कि, उनकी सरकार के समय भाजपा ने अध्यक्ष पद के लिए उम्मीदवार खड़ा किया था इसलिए कांग्रेस भी अब उपाध्यक्ष पद अपने

पास रखेगी। इस बीच विधानसभा उपाध्यक्ष को लेकर मचे सियासी घमासान के बीच सरकार के प्रवक्ता गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा का दो टूक बयान आया है। उन्होंने कहा है कि, विधानसभा उपाध्यक्ष भाजपा का ही बनेगा। पद पर हमारी पार्टी से ही होंगे, जब भी चुनाव होंगे। कांग्रेस ने परंपरा तोड़ी है। पूर्व की कमलनाथ सरकार को नरोत्तम मिश्रा ने अल्पमत की सरकार बताते हुए कहा कि, इसलिए भाजपा ने विधानसभा उपाध्यक्ष के लिए चुनाव कराया था।

कांग्रेस का कहना है कि, मध्य प्रदेश में उपाध्यक्ष पद विपक्ष को देने की परंपरा है, इसलिए विधानसभा में उपाध्यक्ष कांग्रेस को मिलना चाहिए। हाल ही में कांग्रेस विधायक पीसी शर्मा ने कहा था कि, भाजपा की सरकार बनने के बाद से ही ये पद खाली पड़ा है इसलिए इस बार के बजट सत्र में इस पर फैसला होना जरूरी है। दूसरी तरफडिप्टी स्पीकर के पद को लेकर कांग्रेस की मांग पर भाजपा ने उन्हें घेर लिया है। उन्होंने कहा कि, विधानसभा की पुरानी परंपरा को तत्कालीन कांग्रेस ने सरकार ही तोड़ा था। प्रदेश में शिवराज सरकार बनने के बाद करीब 2 वर्ष से विधानसभा में उपाध्यक्ष का पद खाली है।

गिरावट के साथ बन्द हुआ शेयर मार्केट

नई दिल्ली।

सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार को शेयर बाजार लाल निशान पर खुला और दिनभर के कारोबार के बाद गिरावट के साथ बंद हुआ। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 778 अंक टूटकर 55 हजार 469 के स्तर पर बंद हुआ, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी सूचकांक 188 अंक फिसलकर 16 हजार 606 के स्तर पर बंद हुआ। मंगलवार को महाशिवरात्रि पर्व के मौके पर शेयर बाजार बंद रहा था। वहीं इससे पिछले कारोबारी सत्र सोमवार को बीएसई का सेंसेक्स 389 अंक की बढ़त के साथ 56 हजार 247 के स्तर पर बंद हुआ था, वहीं एनएसई का निफ्टी 129 अंक की तेजी के साथ 16 हजार 787 के स्तर पर बंद हुआ था।

पत्रकार के साथ हुई मारपीट के बयान 28 को हुए दर्ज, अभी तक हमलावरों पर मामला दर्ज नही

चौकी पर लगे कैमरों में कैद है पूरी घटना , पुलिस मामला दबाने के लिए बोल रही लाईट नही थी

माही की गूंज , पेटलावद

शोशल मीडिया पर समाचार वाइरल करने के नाम पर ग्राम झकनावदा के कुछ दबंगो ने योजनाबद्ध तरीके के पत्रकार आंनद सोलंकी से मारपीट कर जान से मारने की कोशिश की थी। मारपीट कर कानून हाथ मे लेने वाले दबंगो ने पत्रकार को मारपीट करते हुवे चौकी तक ले गए थे , वही पत्रकार संघ की और से गये दल से भी चौकी पर भीड़ ने अभद्र भाषा का प्रयोग कर पत्रकार को चौकी में ही पुलिस के सामने जान से मारने की धमकी दी थी जिसकी पुष्टि चौकी में लगे सीसीटीवी कैमरों से की जा सकती थी लेकिन पूरा मामला पुलिस के सामने होने के बाद भी अब तक हमलावरों पर कोई अपराध दर्ज नही किया गया । भीड़ ने मोब्लिंचिंग की घटना की तरह पत्रकार पर 15 फरवरी को हमला कर हत्या का प्रयास किया जिसका तुरंत अपराध दर्ज किया जाना था लेकिन

झकनावदा पुलिस ने पीड़ित पत्रकार का बयान 28 फरवरी को दर्ज किया और उसके बाद भी कोई कार्यवाही नही की गई ।

चौकी से गायब सीसीटीवी फुटेज

मामले में पुलिस की भूमिका भी संदिग्ध नजर आ रही है जो मिली जानकारी के अनुसार झकनावदा पुलिस चौकी में लगे कैमरों में कैद 15 फरवरी की घटना के वीडियो गायब कर चुकी जिसके आधार पर मामला पानी की तरह साफहो सकता है लेकिन बताया जा रहा है झकनावदा पुलिस उस दिन लाइट नही होने का हवाला देकर वीडियो रिकॉर्ड नही होना बताया जा रहा है ।

अभी भी दी जा रही है धमकियां

मारपीट करने वाले दबंग अब भी अपनी हरकतों से बाज़ नही आ रहे आंनद सोलंकी ने बताया कि धटना के बाद से मारपीट करने वालो में से केई लोग ओर उनके साथ मेरे घर के आसपास मेरी रेकी कर रहे है जिसका उल्लेख मेरे द्वारा अपने बयान में दर्ज करवाया है ।

आवारा पशु बन गई नगर की ज्वलन समस्या

माही की गूंज, थांदला ।

आवारा मवेशियों की बाढ़ सी आ गई है, नगर के मुख्य चौराहे पर पूरे दिन आवारा पशुओं का मेला लगा रखा है। थांदला में सड़कों पर मानो सांड व गायों की दौड़ चल रही हो देखने को मिलता है। आवारा पशुओं के आंतक से अब तक कई व्यक्ति घायल हो चुके हैं जिसमें आवारा पशुओं के कारण एक व्यक्ति ने अपनी जान भी गवाई है। ईसके बावजूद नगरी प्रशासन आंखें बंद करके बैठा है। नगर के अस्पताल चौराहा, सब्जी मंडी, जवाहर मार्ग, हाट बाजार, आजाद चौक, गांधी चौक आदि मार्गों पर पूरे दिन आवारा पशुओं को घुमते-फिरते देखा जा सकता है। सब्जी मंडी में मवेशियों के कारण कई बार जाम की स्थिति बन जाती है, शाम होते ही आवारा पशुओं की सब्जी मंडी में भीड़ लगना शुरू हो जाती है, जो देर रात तक रहती है। सब्जी मंडी से गुजरने वाले राहगीरों को बड़ी मशक्कत करना पड़ती है और डर भी रहता है, नगरपालिका खानापूर्ति के लिए मवेशियों को धरपकड़ शुरू कर अंजाम तक नहीं पहुंच पाती और नेताओं नागरिकों की दखलंदाजी से प्रभावित होकर मुहिम को विराम दे देती है। नगर परिषद ने 7 लाख का पशु वाहन भी खरीदा था, लेकिन आज तक इसका उपयोग नहीं किया गया। नगर परिषद के पास छोटा सा कांजी हाउस बना है, जहां एक या दो पशुओं को बांध सकते है, अब कितने लोग और आवारा पशुओं के शिकार होंगे यह तो नगर परिषद के जिम्मेदारों को ही बताना होगा।

अधिकारियों की समझदारी से किसानों में बड़ा विवाद होने से बचा

धरने पर बैठने के बाद किसानों को मिला पानी

माही की गूंज, पेटलावद

गत दिनों कोदली-उन्नाई के किसान जब पानी की मांग को लेकर माही परियोजना के दफ्तर पर बैठे थे, तब अधिकारी उनके इलाके में पहुच कर पानी का जायजा ले रहे थे। सोमवार को दोपहर में राजस्व विभाग और माही परियोजना के अधिकारियो ने कोदली उन्नाई इलाके की नहरों का निरीक्षण कर पानी की व्यवस्था देखी। रविवार को सुबह से किसानों का एक दल इस इलाके में पानी देने की मांग पर ज्ञापन देकर परियोजना कार्यालय के बाहर डटे रहे इधर अधिकारी इस बेल्ट में पानी ले जाने की जद्दोजहद में लगे रहे। चौकीदार का अन्य गेट पर बैठाने के बाद खुद मॉनिटरिंग कर रहे तहसीलदार जगदीश वर्मा ने बताया कि वे खुद ज्ञापन देने वाले किसानों के सम्पर्क में थे और रात्रि में कार्यालय पर बैठे किसानों से मिल कर उन्हें आश्वस्त भी किया था कि कल पानी पूरे वेग से आपके इलाके में पहुँचाया गया। मौके पर किसानों के मध्य विवाद की स्थिति भी निर्मित हो गई जिसे मौके के मौजूद तहसीलदार जगदीश वर्मा ने दोनों पक्षो में सामंजस्य बिठाकर मामले को शांत किया और मौके से जिला कलेक्टर को वस्तु स्थिति अवगत करवा कर मामले का निराकरण किया। इधर इस मामले की जानकारी लगने पर एसडीएम शिशिर गेमावत ने भी अधिकारियों से पूरी जानकारी ली । परियोजना के एसडीओ कुरैशी ने यहां पूरी जानकारी दी तथा किसानों से आव्हान किया वे अपने इलाके में चल रही नहरों से पानी उठाए कही कोई दिक्कत है तो उसे भी दूर किया जायेगा।जिसके बाद धरने पर बैठे किसानो ने धरना समाप्त किया वही अधिकारीयो की पहल के बाद कोदली क्षेत्र के किसानों को पानी भी नहर के माध्यम से उपलब्ध हो गया ।

भगोरिया पर्व और ग्राम पंचायत के भ्रस्टाचार को लेकर हुई जयस की बैठक

माही की गूंज , मेघनगर

समीपस्थ ग्राम अंतर वेलिया में जयस की बैठक रखी आगामी रण नीति को लेकर पंचायत स्तर की कार्यकारिणी ओर आगामी भगोरिया हाट को लेकर पंचायत में भ्रष्टाचार लाखो रुपए की हेरा फेरी सचिव और सरपंच मिलकर कर रहे। जयस की कार्यकारिणी पंचायत स्तर पर पूरे जिले में बनायेंगे अपने हक अधिकार के लिए समाज को जागरूक करना बहुत जरूरी हैं। अंतर वेलिया में पानी की टंकी तीन साल से बनी हुई है लेकिन पानी अभी तक चालू नही किया और पानी के पैसे हर घर से 200 रुपए पानी के नाम से लिए जा रहे। शासन प्रशासन इस ओर ध्यान नहीं दे रहा।

सोसाइटी से समय पर राशन नहीं दिए जाने का मामला सामने आया है जिस पर संगठन ने चर्चा की और गांव की छोटी छोटी समस्या को लेकर जयस बहुत जल्दी जिला स्तर पर आंदोलन करेगा और ज्ञापन देंगे की योजना बनाई , बैठक उपस्थित जयस जिला अध्यक्ष विजय डामोर, झाबुआ ब्लॉक अध्यक्ष बंटी सिंगार,नारी शक्ति सुमित्रा मेडा, अनिल भूरिया एवं सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित हुए और संगठन को मजबूती देने का निर्णय लिया।

एसडीएम ने किया पौधरोपण

माही की गूंज, सारंगी

मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर सोमेश मिश्रा झाबुआ के मार्गदर्शन में एसडीएम शिशिर गेमावत ने टप्पा तहसील सारंगी के नवीन परिसर में पौधरोपण किया गया। एसडीएम ने बताया कि, उक्त अभियान शासन के अंकुर अभियान अंतर्गत किया जा रहा है। जिसमें वायुदूत एप्प के माध्यम से रोपित किए गए पौधों की मॉनिटरिंग ओर देखभाल की जाएगी। इस अवसर पर तहसीलदार जगदीश वर्मा, नायब तहसीलदार परवीन अंसारी सारंगी, राजस्व निरीक्षक देवराम निहरता, पटवारी ईशवर पाटीदार, यश रामावत, लालचंद बबेरिया, दिनेश गरवाल, दीपक वास्केल, सन्दीप निंगवाल, राकेश कटारा ओर ग्राम चौकीदार उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय शतरंज फिडे रेटिंग स्पर्धा का आयोजन हुआ

माही की गूंज, झाबुआ

झाबुआ जिले की माटी पर आदिवासी ग्रामीण अंचल के बच्चों में चैस के प्रति जागरूकता लाने एवं उनके उत्साह वर्धन हेतु जिला प्रशासन ने पहल की और परहित जन सेवा संस्था के सहयोग से अखिल भारतीय फीडे रेटिंग शतरंज स्पर्धा का आयोजन हुआ। विशेष रूप से मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सिद्धार्थ जैन का प्रोत्साहन मिला। इस आयोजन को सफल बनाने में शतरंज ऑर्गेनाइजिंग कमेटी के डायरेक्टर गौरव चतुर्वेदी, चीफएग्जीक्यूटिव सदस्य विवेक धाकरे, विवेकानंद यादव, कुरेशी दवे, अयाज कुरेशी ऑर्गेनाइजिंग कमेटी की को ऑर्डिनेट डॉ. अर्चना राठौर, टेबल आर्बिटर राकेश सोनी, भरत व्यास, नरेश पुरोहित, देवेंद्र चौहान आदि का इस आयोजन को सफल बनाने में बहुत सहयोग मिला। समापन सत्र के मुख्य अतिथि बैंक ऑफ बड़ौदा के महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख गिरीश सी. डालाकोटी ने खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया और ऑर्बिटर सुनील सोनी, दीपक चौहान, ओपी यादव, चंडालिया, यश तुलापुरकर को उनके उत्कृष्ट कार्य एवं ऑर्गेनाइजिंग कमेटी के समस्त सदस्यों को स्मृति चिन्ह देकर प्रशासन द्वारा सम्मानित किया गया ।

आज होगा महासर्वतोभद्र तप रतलाम में होगी तपअनुमोदना

धर्मदास संप्रदाय के इतिहास में प्रथम तपस्वी बनी सीमा पटवा

रतलाम/पेटलावद
संजय पी.लोढ़ा की विशेष खबर

जैन धर्म मे तप त्याग की विशिष्टता न केवल तपस्वी को जन्म मरण से मुक्त करवाती है , बल्कि परिजनों की यश कीर्ति भी फहराती है । गुरु उमेशाचार्य के प्रति अटूट आस्था रखने वाले पेटलावद के बरवेट ग्राम के धार्मिक पृष्ठभूमि के पटवा परिवार की बहू सीमा पटवा ने एक ऐसी तपस्या कर कीर्तिमान बना दिया है जो वर्तमान समय में आश्चर्य में डालने वाली है।

मुखिया हुए थे दीक्षित

इस परिवार के मुखिया लालचंद जी पटवा स्वंय 24 मार्च 1974 में आचार्य आनंद ऋषि जी के सानिध्य में भुसावल (महाराष्ट्र) में दीक्षित होकर लाभऋषि जी कहलाए। उनका देवलोक 8 अक्टूबर 1983 को अनकाई(महाराट्र) में हुआ । यह जगह वर्तमान में बड़ी घ्यान साधना केंद्र के रुप में विख्यात है। मुखिया ने परिजनों के लिए ऐसी धर्मराह बनाई जो उनकी यश कीर्ति में बढ़ोतरी कर रही है।

छोटे से ग्राम में लालचन्दजी के धार्मिक परिवार में पुत्र स्व.ज्ञानमल पटवा ने महाराष्ट्र के नासिक - दिंडोरी में जाकर ने केवल व्यवसाय में धूम मचाई बल्कि मृत्यु पर्यन्त वे दिंडोरी श्री संघ के अध्यक्ष बनकर सेवा करते रहे। सेवा का क्रम उनके पुत्र ऋषभ पटवा (महामंत्री श्री संघ नासिक) , अजित पटवा द्वारा भी जारी है। वही विनोदकुमार पटवा बरवेट श्रीसंघ में अध्यक्ष का दायित्व निभा रहे है। इनके पुत्र महेंद्र पटवा भी धार्मिक गतिविधियों में बढ़चढ़ कर हिस्सा लेते है। तपस्वी सीमा पटवा के ससुर धनराज पटवा एवं सासु चांद कुँवर पटवा भी धार्मिक भावनाओं से ओतप्रोत है। मासक्षमण से लेकर

कई अन्य तपस्या इस परिवार का ओज बढ़ाती रही है। इसी परिवार के सुनील पटवा, दिनेश पटवा रतलाम में रहकर श्री संघ की शान बने हुए है। तपस्वी सीमा पटवा ने भी पूर्व में मासक्षमण लेकर कई छोटी बड़ी तपस्या कर धर्म राह को जगमग किया है। यही नही परिवार में संस्कार की बदौलत ही सीमा-दिनेश पटवा की सुपुत्री कृति भी त्याग तपस्या में अग्रणी रहती है।

तप एवं उसकी महत्ता

इसकी क्या महत्वता और यह तप कितना कठिन और बिरला है, यह सिर्फ इस बात से समझा जा सकता है कि ÷प्रभु महावीर के शासन में मगध देश के राजा श्रेणिक की रानीयों में से वीर कृष्णा रानी ने बहुत ही कठिन महासर्वतोभद्र तप उपवास से किया था। तप की एक पंक्ति में 7 अंक होते हैं, उसमें एक पंक्ति के अंकों का योग 28 होता है ,इसकी एक परिपाटी 196 दिन तपश्चर्या के एवं पारणे के 49 दिन होते हैं ,कुल 245 दिन अर्थात 8 माह 5 दिन लगते हैं ,इस तप की विशिष्टता यह है कि गणना करने पर जिसके अंक सम अर्थात बराबर हो विषम ना हो, सभी तरफसे गणना करने पर योग 28 ही आता हो, इसे महासर्वतोभद्र तप कहा गया है ।

श्री संघ कर रहा अनुमोदना

तपस्वी के तप के बहुमान का बड़ा आयोजन 3 मार्च को रतलाम में होने जा रहा है । यहां तपस्वी का वरघोड़ा एव पारणा भी सम्पन्न होगा। इसका लाभ ले रहे धर्मदास श्रीसंघ रतलाम ने इस आयोजन में शामिल होने विनती भी की है। धर्मदास संप्रदाय में यह तप कर प्रथम तपस्वी बनी सीमा बहन पटवा ने अपनी आत्मा को कल्याण मार्ग हेतु प्रशस्त किया है । आज हमें और आप सभी को सीमा बहन पटवा के तप की अनुमोदना एवं बहुमान करने का जो सौभाग्य प्राप्त हुआ है। उसके लिए हमारा रतलाम श्री संघ सदैव उनका एवं उनके परिवार का ऋणी रहेगा ,इतने कठिन तप(उपवास से) की प्रथम परिपाटी कुल 245 दिन अर्थात 8 माह 5 दिन तपश्चर्या करके उन्होंने अपनी काया का मोह छोड़ दिया है।शरीर का मोह छोड़कर उन्होंने अपने शरीर को मात्र हड्डियों का ढांचा बना लिया है ,उनके शरीर की नाड़ियां प्रत्यक्ष रुप से दिखाई देने लगी है, शरीर क्रश हो गया है सीमा बहन का ,किंतु तप के विशिष्ट प्रभाव से आपका मुख मण्डल सूर्य की भांति तेजस्वी शोभायमान हो रहा है । आयोजन मे झाबुआ ,पेटलावद ,मालवा अंचल सहित गुजरात ,राजस्थान के समाजजनो का भारी जमावड़ा होगा ।

"माही की गूंज" समाचार पत्र के स्वामित्व एवं अन्य विषयो से सबंधित विवरण

घोषणा फॉर्म- 4

(नियम- 3 देखिए)

(1) प्रकाशन स्थल	: 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, : ग्राम- खवासा, तहसील-थांदला, जिला- : झाबुआ (म.प्र)
(2) प्रकाशन की अवधि	: साप्ताहिक (प्रति गुरूवार)
(3) मुद्रक का नाम	: **श्रीमती अलका भटेवरा**
क्या भारत का नागरिक है	: हॉ
पता	: 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, ग्राम- खवासा, : जिला- झाबुआ (म.प्र.)
(4) प्रकाशक का नाम	: **श्रीमती अलका भटेवरा**
क्या भारत का नागरिक है	: हॉ
पता	: 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, ग्राम- खवासा, : जिला- झाबुआ (म.प्र.)
(5) संपादक का नाम	: संजय भटेवरा
क्या भारत का नागरिक है	: हॉ
पता	: 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, ग्राम- खवासा, : जिला- झाबुआ (म.प्र.)
(6) उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचार पत्र के स्वामी हो तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक के साझेदार या हिस्सेदार हो	: **श्रीमती अलका भटेवरा**

मैं श्रीमती अलका भटेवरा एतद् द्वारा घोषित करती हूँ कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिए गये विवरण सत्य एवं सही है।

स्थानः खवासा (म.प्र.)
दिनांक : 3 मार्च 2022

हस्ताक्षर
श्रीमती अलका भटेवरा
(प्रकाशक मुद्रक)

देवझिरी तीर्थ पर दिनभर भक्तो का लगा रहा तांता।

महाशिवरात्रि उत्सव : अंचल में धार्मिक आस्था के साथ धुम-धाम से मनाया मंदिरों में लगा भक्तों का तांता

माही की गूंज, झाबुआ

महाशिवरात्रि सभी शिवालयों में आस्था एवं श्रद्धा के साथ मनाया गया। अलससुबह से लेकर देर रात तक शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की दर्शन-पूजन एवं शिव-पार्वतीजी की भक्ति, आराधना के लिए भीड़ लगी रहीं। देवझिरी तीर्थ स्थल के साथ झाबुआ-मेघनगर मार्ग पर पारदेश्वर महादेव मंदिर एवं दूधेश्वर महादेव मंदिर पर मेले जैसा नजारा देखने को मिला। भक्तजन शिव पूजन और भक्ति के लिए पूरी तरह लालायित दिखाई दिए।

शहर के सिद्धेश्वर कॉलोनी स्थित श्री सिद्धेश्वर महादेव मंदिर, छोटा तालाब स्थित श्री मनकामेश्वर महादेव मंदिर, डीआरपी लाईन स्थित गोपेश्वर महादेव मंदिर, कॉलेज मार्ग स्थित प्राचीन सोमेश्वर महादेव मंदिर, विवेकानंद कॉलोनी स्थित उमापति महादेव मंदिर, गोपाल कॉलोनी स्थित महाकाल मंदिर, हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी स्थित श्री ऋषा मुक्तेश्वर महादेव मंदिर सहित समस्त शिव मंदिरों पर अलसुबह से ही श्रद्धालुओं की भगवान भोलेनाथ के दर्शन-पूजन के लिए कतार नजर आई। भक्तो ने शिवलिंग पर जल, दूध, पंचामृत, शहद से अभिषेक करने के साथ भगवान को पुष्प, बिल्व पत्र, आकड़े, धतुरा, भांग, काजू-मिष्ठान अर्पण किया गया।

बाबा भोलेनाथ की भव्य बारात निकली

माही की गूंज, पारा

महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर भोलेनाथ की बारात निकली। स्थानीय प्राचीन काल शंकर मंदिर पर शिवरात्रि पूर्व से स्थानीय रामायण मंडल द्वारा शंकर मंदिर पर सुंदरकांड, शिव चालीसा का पाठ किया गया। शिवरात्रि के दिन बाबा भोलेनाथ का प्रातःकाल में जलाभिषेक कर आकर्षक श्रंगार किया गया। सुबह से मंदिरों पर भक्तों का तांता लगने लगा। दिन भर दर्शन का दौर चलता रहा, दोपहर पश्चात बाबा भोलनाथ की डोली सजा कर नगर भ्रमण कर बारात, ढोल नगाड़े डीजे के साथ निकाली। बारात प्राचीन मंदिर से होती हुई बस स्टैंड ,होली चौक, सदर बाजार से होते हुए श्री राम मंदिर पहुंची। नगर भ्रमण के दौरान पालकी में बैठे भगवान भोलेनाथ का गली-गली मे पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया, डीजे ,ढोल, पर शिव भक्त बहुत ही थिरके। राममंदिर के पुजारी कमलेश दास बैरागी ने बाबा भोलेनाथ की आरती उतारी पश्चात शरबत प्रसादी वितरण की गई। बारात आगे बढ़ते हुए पुनः प्राचीन मंदिर पहुची। यहा मंदिर के पुजारी राहुल शर्मा द्वारा भोलेनाथ की आरती उतारी गई, आरती बाद फरियाली खिचड़ी, भंगप्रसादी का वितरण किया गया। मंदिर प्रांगण में रामायण मंडल द्वारा भजन कीर्तन का आयोजन हुआ।

पारा, शिवजी का आकर्षक श्रृंगार

थांदला

शिव मंदिरों में पूजा-अर्चना की गई

माही की गूंज, थांदला

ग्राम शिवगढ़ के प्राचीन मंदिर क्षेत्र में मेले का आयोजन हुआ, बड़ी दूर से पहुचे लोगो ने शिवगढ़ मंदिर पर पूजन-दर्शन कर मेले का भी लुप्त उठाया। थांदला के सबसे प्राचीन मंदिर अम्बिकेश्वर महादेव (घोडाकुण्ड) मंदिर पर अलसुबह से भक्तों की भीड़ उमड़ी। जहां भगवान शिव का आकर्षक श्रंगार कर भक्तों को एक क्विंटल की फरियाली खिचड़ी वितरित की गई, देर रात तक भक्तों का तांता लगा रहा। जिसमें मंदिर के आशुतोष पाठक, निरंजन पाठक, प्रकाश सोनी, जाकीर ख़ान व शिव भक्त मंडल का सराहनीय सहयोग रहा।

नगर की पवित्र पद्मावती नदी तट पर स्थित एकांतेश्वर शिव मंदिर पर क्षेत्र के नवयुवकों ने शिवजी की आकर्षण झांकी बनाई। क्षेत्र के लोगो ने वहां पहुचकर दर्शनलाभ लिया। गवली मोहल्ला के सवारियाँ सेठ मंदिर परिसर में विराजित शिव परिवार का भक्तो ने दर्शनलाभ लिया। वहीं खजूरी स्थित शिव मंदिर में भी भगवान भोलेनाथ का आकर्षक सिंगार किया गया।

नगर के कलाजी नगर (फखरी कॉलोनी) के नवीन व जिले का एकमात्र पशुपतिनाथ महादेव का महाअभिषेक किया और सुखे मेवे से आकर्षण श्रृंगार किया। जिसे देखने व पूजन-दर्शन के लाभ के लिए दूर-दूर से लोगो का देर रात तक ताँता लगा रहा। पशुपतिनाथ महादेव मंदिर समिति ने फलाहारी खिचड़ी व सुखामावा मिश्रित दूध का वितरण किया गया। नगर व अंचल के शिव मंदिरों पर भी शिव भक्तों का ताँता लगा रहा।

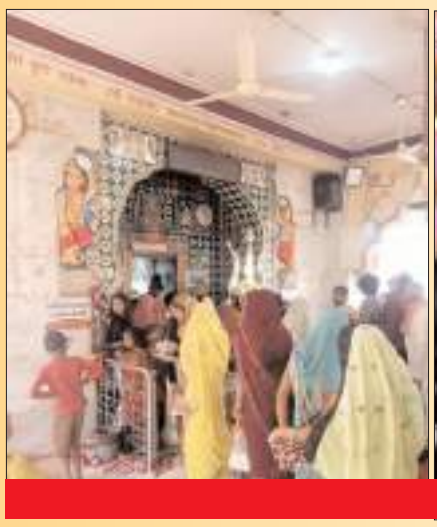

पेटलावद

हर -हर महादेव के जयकारों से गूंजे शिवालय

माही की गूंज , पेटलावद

हर-हर महादेव, भोले शम्भू भोलेनाथ आदि जयकारों से शिवालय गूंज उठे। नगर के समस्त शिव मंदिरों पर दिनभर भगवान के दर्शन के लिए भक्तों की भीड़ लगी रही। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर शिवालयों में श्रद्धालुओं ने भगवान दर्शन के लाभ लिए। अल सुबह से श्रद्धालु भगवान के दर्शन करने पहुचने लगे थे। नीलकंठेश्वर महादेव मन्दिर पर दिन भर श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुँचे। लम्बी-लम्बी लाईन लगाकर भक्त अपनी बारी का इंतजार करते रहे। महिलाएं अपने हाथों में पूजा की थाली सजाकर मन्दिर पहुची और भगवान से सुख समृद्धि की कामना की। इसके अलावा नगर के माधव कॉलोनी स्थित शंकर मंदिर ,नदी किनारे स्थित फूटा मंदिर, मठ मंदिर ,रामदेव जी मंदिर, माही कॉलोनी स्थित मंदिर ,भेरू चोक, नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर पर सुबह 5 बजे से ही भक्तों का आना प्रारंभ हो गया था। राजापुरा स्थित तेजाजी मन्दिर पर भगवान शिव का आकर्षक श्रंगार किया गया। बच्चे, बड़े, महिलाओ ने डीजे की धुन पर नाच गान कर शिवरात्रि के पर्व को उत्साह के साथ मनाया। भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए जलाभिषेक, बीलपत्र आदि पूजन सामग्री चढ़ाकर मन्नते मांगी। पम्पावती नदी तट पर स्थित फूटा मन्दिर पर श्रद्धालुओं के लिए साबूदाने की खिचड़ी बनाई गई। मन्दिर समितियों ने व्यवस्था को संभाला और पुलिस प्रशासन भी तैनात रहा।

नगर भ्रमण करने निकले नीलकंठेश्वर महादेव, गुजरात-राजस्थान के कलाकारों ने दी प्रस्तुति

शाम को नीलकंठेश्वर महादेव को दूल्हा बनाकर सवारी पूरे नगर में भ्रमण के लिए निकली, जिसमे प्रदेश के कलाकारों के साथ गुजरात, राजस्थान सहित अन्य राज्यो से आए कलाकारों ने शानदार प्रस्तुति दी गई। देर रात तक जुलूस नगर के प्रमुख मार्गो से होता हुआ वापिस नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर पहुचा जहा 101 दीपक के साथ भगवान की महाआरती उतारी गई।

पूरी रस्मो के साथ हुआ शिव-पार्वती का विवाह

नगर के भेरू चौक स्थित पिपलेश्वर महादेव मंदिर पर शिव विवाह को लेकर मंदिर को पूरी तरह से सजाया गया। रहवासियों द्वारा शुक्रवार से ही शादी की सारी रस्मे प्रतिदिन निभाई गई। मंदिर पर प्रतिदिन अलग-अलग आयोजन किए गए जिसमें, मेहंदी, हल्दी ,गंगाजल ,चाक, शिवरात्रि के दिन महिलाओं ने सुबह से ही मंदिर पर शिव पार्वती के विवाह को लेकर विशेष उत्साह दिखाई दिया। छोटे बच्चों को शिव पार्वती के रूप में सजा कर मंदिर पर लाया गया जहां पर शिव पार्वती का विवाह संपन्न करवाया गया। जिसमें ढोल धमाकों के साथ महिलाएं नाच गान करते हुए बारात में चल रही थी। विवाह की सारी रस्में मुख्य यजमान दिनेश कुमार बामने एवं उनकी पत्नी ने निभाई। रहवासियों ने शिव पार्वती के विवाह में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। कन्यादान एवं सीचावनी, एवं विदाई की सारी रस्में निभाई जिसके बाद प्रसाद वितरण किया गया।

बामनिया में निकला भव्य जुलूस, खिचड़ी और भांग प्रसादी का हुआ वितरण

यहां नगर के रेलवे कॉलोनी स्थित महादेव मंदिर और अमरगढ़ रोड स्थित शिव मंदिर पर आकर्षक साज सज्जा की गई, सुबह से ही भगवान के दर्शन के लिए भक्तों की भीड़ जुटने लगी जो देर रात तक जारी रही, रेलवे कॉलोनी स्थित शिव मंदिर पर भक्तों को फरियाली खिचड़ी का वितरण किया गया। वही राम मंदिर स्थित भोलेनाथ मन्दिर पर भांग प्रसादी का वितरण कर भगवान को नगर भ्रमण करवाया गया ।

सांरगी

महादेव की निकली बारात, ढोल नगाडे की धुन पर झूमे शिव भक्त

माही की गूंज ,सारंगी

मनसा महादेव का शिवलिंग फूलों से आकर्षक सजाया गया मंदिर प्रांगण से भगवान भोलेनाथ की बारात निकली डीजे, ताशे ,ढोल नगाड़े के साथ नगर भ्रमण कराया गया। बारात में शिव भक्त डीजे की धुन पर महिलाएं, पुरुष, बच्चे नाचते हुए चल रहे थे। भगवान भोलेनाथ की बारात पूरे ग्राम में निकाली गई, घर-घर से पुष्प वर्षा कर मनसा महादेव का स्वागत किया गया। पूरे नगर की सड़कें फूल एवं गुलाल से रंग गई थी, इमली चौक कान्हा जी मंदिर प्रांगण पर भगवान भोलेनाथ का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। यहां पर सभी बारातियों को ठंडा शरबत पिलाया गया।

शिव की कृपा रही ऐसी की शिव जुलूस के रंग में नहीं घुला भंग

माही की गूंज, खवासा

महाशिवरात्रि पर पूरे उत्साह के साथ उत्सव पर्व पूरी पूजा आराधना के साथ की जा रही थी, इसी कड़ी में खवासा के स्थानीय शंकर मंदिर युवाओं ने धार्मिक आस्था के साथ महाशिवरात्रि उत्सव मनाते हुए भगवान भोलेनाथ के शिवलिंग का आकर्षक श्रृंगार किया।

भक्त सूर्योदय से पहले ही ब्रह्म मुहूर्त के साथ भगवान भोले के दर्शन व अभिषेक करने मंदिर पहुंच गए, शाम को भगवान शिव का बैंड बाजों के साथ भव्य जुलूस ग्राम में निकाल रहे थे कि, इसी दौरान शिव के भव्य जुलूस के रंग में भंग भूल जाने जैसी बड़ी दुर्घटना हो जाती परंतु शिव की भक्ति, भक्तों ने पूरी आराधना के साथ की और वही भक्तों की आराधना सें शिव की कृपा ऐसी रही कि, शिव जुलूस के रंग में भंग घुलने से बच गया।

मामला कुछ यूं हुआ कि, शिव जुलूस निकालने हेतु रायपुरिया का बैंड बुलाया गया था। शिवभक्त बैंड बाजों की धुन पर थिरक रहे थे की पुरानी पानी की टंकी के यहां बैंड बाजों की धुन पर गरबा रास नृत्य कर रहे थे कि बेंड की चार पहिया गाड़ी जिस पर बेंड सिस्टम लगा था । वह गाड़ी बंद अवस्था में खड़ी थी कि पुरानी पानी की टंकी के पास ग्राम के मेन मार्ग टेकरी नुमा सड़क के ऊपर से बेंड की गाड़ी शिरकते हुए बंद अवस्था में ही नीचे चलने लगी ड्राइवर कुछ समझ पाता इतने में बैंड की गाड़ी चलते हुए नीचे आ गई। ब्रेक नहीं लगने के कारण चलती हुई गाड़ी के चपेट में पीयूष संजय खालसिया (14) व जीवन रावत का 8 से 10 वर्षीय पुत्र चपेट में आ गये। जिसमें पीयूष को पीठ में व पसलियों में चोट लगी वही जीवन के पुत्र को तत्काल पेटलावद व पेटलावद से उपचार हेतु दाहोद ले जाया गया। जिसकी स्थिति अब सामान्य बताई जा रही है।

उक्त घटना के बाद गांव में यही चर्चा है कि ग्राम में ऐसी घटना पहली बार हुई है और भगवान भोलेनाथ की कृपा रही कि ऐसी बड़ी दुर्घटना को छोटा रूप दे दिया।

खवासा, भगवान भोले कि कृपा ऐसी रही की बडी दुर्घटना टली

धार्मिक आस्था के साथ मना शिवरात्रि पर्व

माही की गूंज, मेघनगर

शिवरात्रि के पावन पर्व पर भगवान भूत भावन भोलेनाथ की पूजा अर्चना के लिए महिलाएं, पुरुष, बच्चे सभी हाथ में पूजा की थाली लिए कतार में लगे रहे। मेघनगर का प्राचीन शंकर मंदिर हो या सुराणा कंपाउंड में भोलेनाथ के मंदिर, मेघनगर हॉस्पिटल में स्थित पिपलेश्वर महादेव, रेलवे स्टेशन पर स्थित कांटे वाले महादेव, रंभापुर रोड पर स्थित गणेश मंदिर में स्थित भगवान भोलेनाथ पर भी भक्तों ने पूजा-अर्चना की। शाम को 7 बजे शंकर मंदिर से भगवान भोलेनाथ नगर भ्रमण पर निकले, डीजे की धुन पर भक्त नाचते गाते हुए मेघनगर के भंडारी चौराहा, साईं चौराहा, आजाद चौक आदि स्थान से होते हुए पुनः अपने स्थान पर पहुंचे। नगर मे मंदिरों पर भक्तजनों ने भगवान के दर्शन कर श्रीफल, बेलपत्र,जल,दूध,दही से अभिषेक भी किया गया और सुख समृद्धि की कामना की। प्राचीन शंकर मंदिर पर फरियाली खिचड़ी प्रसाद के रूप में उत्सव समिति मेघनगर द्वारा बाटी गई। सुराणा कंपाउंड स्थित भोले नाथ मंदिर पर भगवान का अभिषेक श्रृंगार किया गया और धूमधाम से ढोल बजाकर भगवान की आरती उतारी गई वहां पर खिचड़ी-मिठाई आदि प्रसाद बांटी गई ।

मेघनगर

शिव की बारात में उमड़ा भक्तों का जन सैलाब

माही की गूंज, शुजालपुर।

खेड़ापति हनुमान मंदिर मानस भवन के समीप शुजालपुर मंडी से 11 बजे शुरू हुई भूतों की भव्य बारात का एक किलोमीटर लंबा काफिले में शहर का माहौल भक्तिमय बना रहा है। खेड़ापति हनुमान मंदिर के पुजारी ने पारंपरिक रूप से पूजा घर से भगवान महांकाल को नगर भ्रमण के लिए पालकी में बैठाया। पालकी की आगवानी घुड़सवार ध्वज पताका लिए चल रहे भक्तों ने की। महांकाल के नगर भ्रमण में भूतों की बारात, आकर्षक झांकियां, केदारनाथ के साथ ही भगवान ब्रह्मा, लक्ष्मी नारायण, हनुमान की झांकिया आकर्षण का केंद्र रही।

अग्नि नृत्य व भोलेनाथ के नृत्य ने मोहा मन

मथुरा से आए 20 से अधिक कलाकारों ने अग्नि नृत्य कर लोगों का मन मोह लिया। ढोल की थाप पर घोड़ी ने भी नाच किया। साथ ही भगवान भोलेनाथ और पार्वती का रूप धरे पात्रों ने भांग की बरसात के बीच चलित वाहनों पर आकर्षक नृत्य प्रस्तुत किया।

एक किलोमीटर लंबी शोभायात्रा

करीब 3 किलोमीटर लंबे मार्ग पर एक किलोमीटर लंबी शोभायात्रा ने शहर का नजारा मनोरम कर दिया। शोभायात्रा में उमड़ी करीब 3 हजार लोगों की भीड़ का जगह-जगह स्वागत किया गया। 25 से अधिक स्थानों पर ठंडाई फलाहारी खिचड़ी, फल, दूध वितरित कर भक्तों को स्वल्पाहार कराया गया। हिंदू जागरण मंच द्वारा रोकड़िया हनुमान मंदिर चौराहे के समीप शोभा यात्रा पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। चलित तोप से पुष्प वर्षा कर शोभायात्रा में शामिल हुए भक्तों का अभिनंदन किया गया शोभायात्रा रोकड़िया हनुमान मंदिर चौक, टेंपो चौराहा, एकांगी मार्ग, पुलिस चौकी चौराहा, श्रीनगर कॉलोनी, जैन मंदिर रोड, इंदिरा चौक होते हुए शाम 4 बजे पार्वती मंदिर पहुंची। जहां शिव-पार्वती विवाह के साथ इस आयोजन का समापन हुआ। शोभायात्रा में नाचते-गाते भक्तों के साथ ही शुजालपुर के विधायक व स्कूल शिक्षा राज्य मंत्री इंदर सिंह परमार भी भूतों की बारात में शामिल हुए।

रानोगंज में उमड़ा भक्तो का शैलाब

शुजालपुर समीप ग्राम रानोगंज में शिव मंदिर पर भक्तो का ताता लगा रहा, वही हजारो की संख्या में भक्तगण दर्शन करने पहुंचे। ज्यादा भीड़ के कारण वही रोड पर पूरी तरह से 2 किलोमीटर का लंबा घण्टो तक जाम की स्थिति बनी रही। ग्रामीणों व यातायात पुलिसकर्मियों की काफी मशक्कत के बाद जाम खुला।

शुजालपुर

सच्चे गुरु की शरण मिले तो जीवन सफल बन जाता हैं -पूज्या सुदिशाजी म.सा.

माही की गूंज, मेघनगर

प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी आचार्य श्री उमेशमुनिजी म.सा. की 90 वीं जन्म जयन्ति अणु स्वाध्याय भवन पर बरवाला सम्प्रदाय के गच्छाधिपति पूज्य श्री सरदारमुनिजी म.सा. की आज्ञानुवर्तिनी विदुषी साध्वी पूज्या सुदिशा म. सा. ,पूज्या ऋजुताजी म.सा.आदि ठाणा 3 के सान्निध्य में मनाई गई । इस प्रसंग पर गुरुगुणग्राम करते हुए पूज्या सुदिशाजी म.सा. ने कहा कि, गुरु मोक्ष का मार्ग दिखलाते है। जिसके जीवन में गुरु के प्रति श्रद्धा नहीं उसके लिए मोक्ष दूर है, लक्ष्य को आगे बढ़ाने का मार्ग गुरु से मिलता है। गुरु का सान्निध्य अनमोल है, गुरु जीवन का समाधान देते हैं साथ ही संकट के समय में समाधि से स्थिर भी करते हैं अतः गुरु का उपकार चुकाना कठिन है। आचार्य उमेशमुनिजी म. सा. नम्र एवं सरल थे, वे सदा समभाव में स्थिर रहते थे।ऐसे गुरु हमको मिले यह हमारा सौभाग्य है । इस अवसर पर कई श्रावक श्राविकाओं ने तप के प्रत्याख्यान ग्रहण किये । आशा पीचा,श्वेता धोका,विनोद बाफना ने स्तवन के माध्यम से गुणानुवाद किया । प्रभावना हँसमुखलाल वागरेचा एवं सुभाष झामर परिवार की ओर से वितरित की गई। इस अवसर पर शंकर मंदिर स्थित राम -रोटी - अणु दरबार पर गरीबों व असहायों को भोजन वितरित किया गया जिसका लाभ विपुल धोका परिवार एवं गोविन्द्र चौहान परिवार व व्यास परिवार द्वारा तथा बस स्टैण्ड पर वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ द्वारा लिया गया।प्रतिवर्षानुसार गौतम प्रसादी वितरण का लाभ घर - घर हुआ।

संपादकीय

शांति ही प्राथमिकता

सात दिनों से जारी रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच बातचीत की दिशा में कदम बढ़ाना निश्चित रूप से राहतभरी पहल है। युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं होता। रूस और यूक्रेन के इस संघर्ष के बीच जहां तक भारत का मामला है, वह हमेशा से शांति बनाए रखने को अहमियत देता रहा है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बातचीत के दौरान भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बगैर हिंसा के समाधान निकालने की अहमियत पर बल दिया। मोदी की बातचीत यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेंस्की से भी हुई। यूक्रेन पर रूसी आक्रमण के बाद संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में भारत के रुख पर कुछ हलकों में इस बात को लेकर गंभीर टिप्पणी की गई कि, भारत का रुख उचित नहीं रहा। अमेरिकी थिंक टैंक समुदाय के एक प्रमुख सदस्य, रिचर्ड हास ने तो खेद व्यक्त करते हुए इसे भारत की 'सावधान, हर कीमत पर पुतिन को नाराज करने से बचें' जैसी स्थिति करार दिया और परोक्ष रूप से चेतावनी में उन्होंने इस प्रतिक्रिया को 'निराशाजनक और अदूरदर्शी' बताया। असल में इस प्रस्ताव के दौरान मतदान न करने के लिए भारत के स्पष्टीकरण और व्लादिमीर पुतिन के साथ प्रधानमंत्री मोदी की बातचीत से स्पष्ट होता है कि, भारत ने मास्को को पीछे हटने की आवश्यकता से अवगत कराया है। असल में मोदी-पुतिन फोन कॉल के दौरान, नई दिल्ली ने राष्ट्रों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने और हिंसा और शत्रुता को तत्काल समाप्त करने की आवश्यकता को रेखांकित किया। भारत की ओर से इस बात पर जोर दिया गया कि, शांति बहाली प्राथमिकता हो। यहां उल्लेखनीय है कि, वर्तमान भू-राजनीतिक संकट काफी हद तक इसलिए है क्योंकि रूस और पश्चिम एक दूसरे को एक ऐसे लेंस के माध्यम से देखते हैं जो दशकों के आपसी विषाक्तता के गहरे रंग में डूबा है। दोनों पक्षों की अपनी-अपनी दलीलें हैं। इन दलीलों में भारतीय पक्ष दूर-दूर तक कहीं नहीं है। इसी तरह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की अनुपस्थिति के कई निहितार्थ हैं। उसने बीच का रास्ता अख्तियार करने के साथ-साथ यूक्रेन में अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दोनों पक्षों तक पहुंचने का विकल्प रखा है। इसके साथ ही भारत उन सौदों को लेकर भी सतर्क है जो रक्षा मामलों में उसने रूस के साथ किए हैं। यही नहीं, रूस के साथ भारत के सैन्य संबंधों के अलावा सांस्कृतिक आदान-प्रदान की भी एक लंबी श्रृंखला रही है। रूस-यूक्रेन संघर्ष के दौरान भारत मूल्य-आधारित विदेश नीति और कठिन दौर के बीच संयमित संतुलन भी बना रहा है। यूएनएससी में रूस के खिलाफप्रस्ताव में भाग न लेना और रूस के साथ-साथ यूक्रेन से बातचीत इसी संतुलन का प्रतिबिंब है। भारत के अनेक छात्र यूक्रेन में हैं। उनकी सकुशल वापसी के लिए 'ऑपरेशन गंगा' सफलतापूर्वक चल रहा है। अनेक विद्यार्थियों-नागरिकों को भारत लाया जा चुका है। इस बीच, यूक्रेन का हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण भारत वहां फंसे अपने नागरिकों को रोमानिया, हंगरी, पोलैंड और स्लोवाकिया के साथ लगी यूक्रेन की सीमा चौकियों के जरिए बाहर निकाल रहा है। युद्धग्रस्त यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों की सकुशल वापसी के प्रयासों को तेज करने के लिए भारत सरकार ने केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, ज्योतिरादित्य सिंधिया, किरेन रिजिजू और वीके सिंह को यूक्रेन के पड़ोसी देशों में भेजने का फैसला किया है। यह फैसला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में संपन्न एक उच्च स्तरीय बैठक में किया गया। जानकारी के मुताबिक, सिंधिया रोमानिया और मोल्दोवा से समन्वय करेंगे, जबकि रिजिजू स्लोवाकिया जाएंगे। इसी तरह पुरी हंगरी जाएंगे और सिंह पोलैंड। इस वक्त युद्धग्रस्त देश में भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और उन्हें बाहर निकालना भारत की शीर्ष प्राथमिकता है। अपनी इस प्राथमिकता पर सटीक काम करते हुए भारत दोनों देशों के बीच शांति बहाली के अपने पक्ष पर भी कायम है, यही वक्त की जरूरत है।

समस्त सृष्टि में शिवाय की गूंज

-प्रफुल्ल सिंह

चारोओर घना अंधेरा है, रात ने जंगल को घेर लिया है। वैसे भी क्या कम भयावहता थी, जो यह रात इसे और चौड़ी किए जाती है। रह-रहकर कुछ घोर ध्वनियाँ सुनाई देती हैं और अचानक से कोई गहरी निश्शब्दता आ धमकती है। इस शब्दहीन वातावरण में अकेले होने का भय कुछ और गहरा हो जाता है। एक सामान्य सा आदमी रातमें एक घनघोर जंगल में अटक गया है, वह भयभीत है। प्राण पर संकट दीखता है। पहले की सुनी गई कहानियाँ आज सच्ची मालूम होती हैं। सच में जंगल भयावह होते हैं। मुझे सुबह ही निकल जाना चाहिए था! रात चलूँ भी तो और भय है! इसी उधेड़बुन में वो किसी जंगली पेड़ के पाट पर टिक जाता है। समय का कुछ पता नहीं, अँधेरा कुछ देखने न देता है, थकान दूर से देखती है, नींद किसी दूसरी दुनिया की बात मालूम पड़ती है। अपने जीवन के अनगिन रात यों ही बिता देने वाला वह आदमी आज क्षणक्षण को महसूसता है। तनिक सी हलचल भी उसके प्राण पर रेंगती हुई दिखाई देती है। धीरज भी धीरज नहीं दे रहा। अपने को मस्तिष्क की अनेकानेक विधियों से लुबधाता वह आदमी सहसा अधीर होने लगता है। उसके जी में आता है कि रो लूँ किन्तु सुनेगा कौन? और जो कोई सुन भी ले, तब तो और छाती पर पहाड़ चढ़े। वो भीतर ही भीतर पुकारता है, गुहारता है, शिव उसके आराध्य हैं।

शिव भयहर हैं, शिव प्रत्यक्ष हैं, शिव सर्वसर्व हैं। तपस्वी स्थिति में तपता है फिर स्थिति कैसी भी, कोई भी होवे। शिव घोरता के अतिरेक हैं, जंगल तो फिर भी सुगम है। वे तो अथाह शून्यता के शिखर पर विराजते हैं। पुकार जो शिव को ही हो जाय, तब तो वे हैं ही। वह आदमी निःसहाय है, वह शिवको तब पुकारता है, जब उसके पासके सभी पुकार चुक जाते हैं। वह व्यक्ति मृत्यु से भयभीत है, वह उसी से भयभीत है जिसने किसी भी डरने वाले को नहीं छोड़ा वह सबको लील जाती है। किन्तु शिव! शिव तो मृत्यु को पोषते हैं। उसे इतनीं सक्षमता देते हैं कि वो डराती रहे। किन्तु आयुध तो धारक के वश में रहता है, शिव तो धारक हैं। जो शिव का हो गया, वह मृत्यु का हो गया। और जो मृत्यु का ही हो गया, वह जीवन का हो गया। तब शिव आते हैं, वहाँ शिव इसलिए नहीं आते कि उसे अमर करना है। शिव तो बस इसलिए आते हैं कि उसे भीतर यह बोध रह जाय कि इस जगत में अन्तिम बात मृत्यु ही नहीं है। शिव एक बटुक के रूप में आते हैं। आदमी उस घोर जंगल में अचानक से आए इस बालक को देख सहम उठता है। बालक हँसता है कहता है कि यह तो रात है, बीत जाएगी। आदमी पूछता है कि तुम हो कौन? बालक मुस्कुराते हुए कहता है कि बस इतना जानो कि मैं एकरात का साथी हूँ। मैं तो बस एक भटके में भटकने आया हूँ। सुबह होगी तो मैं न होऊँगा। मैं तुम्हारी निश्चिन्तता हूँ। चुपचाप सो जाओ। मैं जबतक हूँ तबतक जागरण है। तुम आजकी रात तो सो ही सकते हो। कल जो जागना तब मत सो जाना। आदमी सच में सो जाता है। सुबह उठता है। बालक कहीं नहीं है। आदमी लौट जाता है। फिर वो कभी नहीं सोता। शिव तो ऐसे हैं।

इस जगत में कौन ऐसा होगा जिसे शिव ने मोहित न किया हो। इस जगत में कौन ऐसा होगा जिसके शृंगार में इतना उत्सव हो। इतनीं हरीतिमा हो। वह कौन होगा जिसपर भाँग, धतूर, दूध, दही, मधु, विभिन्न रस, गंगाजल, नैवेद्य, ताम्बुल, बिल्वपत्र, कर्पूर, चावल, चन्दन, भस्म, केसर, घी, शर्करा, फूल, फल, दुर्वा, इत्र, रंग, अबीर, बुक्का, इत्यादि एकसाथ चढ़ते हों और वह सबकुछ पूरी बौराहट से स्वीकार करता हो। वह कौन है जो संसृति के बीचोबीच लिङ्गरूप में अधिष्ठापित हो। और कौन है जिसने धर्म, धर्मागम, द्वैत, अद्वैत, तंत्र, योग, ध्यान, भक्ति, तपस्या, उपवास, मौन, गायन, नृत्य, शक्ति, सृजन, संहार, आहार, शृंगार, शब्द, व्याकरण, काम, शारीरिक स्वरोदय, सृष्टि और अस्तिव, तत्व, सत्व आदि अनेकानेक सूक्ष्म विषयों और सिद्धान्तों को सूत्रबद्ध किया है। और कौन है जिसके सङ्ग भूत, प्रेत, पिशाच, योगिनी, डाकिनी, शाकिनी, बटुक, भैरव, दैत्य, असुर, यक्ष, राक्षस, सिद्ध, बैताल, आदि सभी निष्कलुष हो घूमते हों। और कौन है जो महाश्मशान में धूनी रमाता हो। और कौन है जो अपनी इतनीं अघोरता के बाद भी मोहता हो। ऐसे रूपरङ्ग का और कौन अड़भंगी होगा जिनसे इस देश में सुन्दर साथी पाने की चाहना की जाती है। शिव तो अपने मलङ्ग में गोरख हैं। शिव पिप्पलाद में अंशरूपी होकर चिकित्सा, दर्शन और विज्ञान के प्रणेता बन जाते हैं। शिव तो ग्रहों के त्राता हैं। शिव तो मोक्ष में भी शेष होकर उसे सिद्धि देते हैं। जाने हुए शून्य में से बचे हुए शून्य। बस इसीलिए तो माया से परे। तभी तो अवधूतेश्वर। ऐसे अवधूत, ब्रह्मचारी, भिक्षुवर्य, सुनटनर्तक महादेव का ही सबकुछ है और सब उनको ही समर्पित है।

मध्यप्रदेशः शिव-उमा की चौसर

ओमप्रकाश मेहता

कभी भारतीय जनता पार्टी की ''मिसाईल'' मानी जाने वाली तेज-तर्रार नैत्री उमा भारती इन दिनों अपनी उपेक्षा से काफी परेशान है उनका सीधा सा कथन है कि ''जिस काम को पूरी मेहनत से मैं पूरा करती हूँ, उसका श्रेय व लाभ कोई और उठा लेता है।'' पिछले दिनों उन्होंने अपना यह दर्द अपने गृह जिले टीकमगढ़ में व्यक्त किया, उनका कहना था कि, उन्होंने आज से उन्नीस वर्ष पहले कांग्रेस के दिग्गज नेता दिग्विजय सिंह की एक दशक पुरानी सरकार को शिकस्त देकर भाजपा को सत्ता दिलवाई और उसका लाभ अभी तक अन्य कोई उठा रहा है, यही स्थिति केन-बेतवा नदी लिंक योजना तथा ललितपुर-सिंगरौली रेल लाईन के साथ भी है, इन दोनों की उनकी अपनी परियोजनाओं को मूर्तरूप देते समय उनकी उपेक्षा की जा रही है।

उल्लेखनीय है कि, उमा ने 2002 में दिग्विजय सिंह के वर्चस्व को खत्म कर अपनी सरकार बनाई थी, किंतु वे कुछ ही महिनों मुख्यमंत्री रह पाई थी और एक गैर-जमानती अदालती वारंट के कारण उन्हें इस्तीफा देकर स्व. बाबूलाल गौर को सत्ता सौंपना पड़ी थी, बाबूलाल भी एक ही वर्ष मुख्यमंत्री रह पाए और 2005 में शिवराज मुख्यमंत्री बन गए और वे आज भी मुख्यमंत्री है, बाद में उमाजी ने भाजपा से बाहर आकर भारतीय जनशक्ति पार्टी बनाई और चुनाव भी लड़ा। भाजपा में जब वापसी हुई तो उन्हें मध्यप्रदेश की सक्रिय राजनीति से बाहर रहना पड़ा और फलतः वे उत्तरप्रदेश की होकर रह गई, वे केन्द्र में मंत्री भी रही, किंतु 2019 में उन्हें पार्टी ने टिकट से वंचित कर दिया तभी से वे अपने आपको उपेक्षित महसूस कर रही है और इसी उपेक्षा के चलते अब उन्हें कहना पड़ रहा है कि, ''सरकार मैं बनाती हूँ, चलाता कोई और है।''

उमा की इसी उपेक्षा के बीच पिछले दिनों एक और वाक्या हो गया, उमाजी का गाया एक तीस वर्ष पुराना भजन है जिसके बोल ''तेरे चरण कमल में श्याम लिपट जाऊँ रज बनके'' पिछले दिनों शिवराज को इस भजन की याद आई और उन्होंने उमा से उसका वीडियों मांग लिया, उमा ने अपना गाया हुआ वीडियों शिवराज को भेज दिया, किंतु इस भजन के बोल में जो 'कमल' शब्द का प्रयोग हुआ है उसे लेकर 'कमलदल' (भाजपा) में खलबली मच गई है, क्योंकि मध्यप्रदेश 'कमल' शब्द को लेकर काफी संवेदनशील है, कमलनाथ चूंकि कांग्रेस के मुख्यमंत्री रहे है, इसलिए भी यहां 'कमल' को लेकर काफी चर्चाऐं होती है। अब उमा की उपेक्षा के दौर में उनके इस भजन को लेकर सियासत का दौर गर्म है।

वैसे उमा भारती का भी मध्यप्रदेश में एक 'राजनीतिक युग' रहा है, भाजपा की संस्थापक स्व. राजमाता विजयराजे सिंधिया के आग्रह पर उमाजी ने भाजपा में प्रवेश किया था, वे अपने व्यक्तिगत जीवन में साध्वी है तथा बाल्यकाल से प्रवचन करती आ रही है, उनके प्रवचन से ही प्रभावित होकर राजमाता ने उन्हें राजनीति में आने का न्यौता दिया था, वे अटल-अड़वानी के 'युग' में काफी प्रभावशाली नैत्री रही और पार्टी की वरिष्ठ नैत्री मानी जाती रही, किंतु पार्टी मौजूदा नैतृत्व के दौर में उमाजी को 'समयानुकूल' नहीं मान रही और यही उन्हें पिछले लोक सभा चुनावों के समय टिकट नहीं देनेक का मुख्य कारण रहा। किंतु अब उन्होंने अभी से 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है और भाजपा की राजनीति में उनकी 'जिद' काफी विख्यात भी है, इसलिए वे हर हाल में लोकसभा चुनाव लड़ने की घोषणा को मूर्त रूप देगी, अब उन्हें 'रणक्षेत्र' कौन सा मिलता है, वह वे स्वयं चुनेगी या पार्टी यह उस समय की स्थिति-परिस्थिति पर निर्भर रहेगा, वे चुनाव अवश्य लड़ेगी।

वैसे यदि मौजूदा राजनीतिक माहौल के अनुसार उमाजी की इस घोषणा व उनके कथनों का सूक्ष्म परीक्षण किया जाए तो यह माना जा रहा है कि, केन्द्रीय नेतृत्व की तरह वे मध्यप्रदेश पार्टी नेतृत्व से भी उपेक्षित ही है, उनकी नाराजी व मौजूदा तेवर का भी यही कारण है। उनकी मुख्य पीड़ा भी यही है, उनका मानना है कि, आड़वानी-मुरली मनोहर जोशी की तरह मौजूदा नेतृत्व में उन्हें (उमा को) भी राजनीति के 'कूड़ेदान' में डालने की कौशिश की है, किंतु एक जिद्दी व हटी साध्वी के तेवर को नेतृत्व ने महसूस नहीं किया है और वे अब चुप बैठने वाली भी नहीं है, उन्होंने अपने मौजूदा तेवरों से अपनी नाराजी का सिर्फ ''ट्रेलर'' दिखाया है जिस दिन पूरी फिल्म सामने आएगी तब मौजूदा नेतृत्व को उमाजी की सही तस्वीर नजर आएगी। इस तरह भारतीय जनता पार्टी में उमाजी ने बगावती रूख दिखाकर पार्टी के उन सभी उपेक्षित नेताओं को एक जूटता का संदेश भी दिया है, जिन्हें मजबूरी में अपने घरों में कैद होकर रहना पड़ रहा है। अब उमाजी की राजनीति क्या गुल खिलाती है यह तो भविष्य के गर्भ में है, किंतु उमाजी क्या कर सकती है? यह सभी अच्छी तरह जानते है।

अच्छी परफॉरमेंस भी लेकर आती है टेंशन

-आलोक पुराणिक

मसले टेंशनात्मक हो जाते हैं, जब आपकी जगह लाये गये बंदे ठीक-ठाक नहीं, बहुत ही ठीक-ठाक काम करने लग जाते हैं। सिर्फसोनम (नोटबंदी फेम) ही बेवफा न थी, सभी बेवफा हैं। क्रिकेट मैचों में दर्शक विराट कोहली को देखकर तालियां बजाते थे, कुछ मैचों में विराट कोहली टीम में न रहे, और उनकी जगह रोहित शर्मा ही कैप्टन रहे, और कोई और खिलाड़ी विराट कोहली की जगह खेला। लोगों ने याद ही न किया विराट कोहली को, क्योंकि जो नये खिलाड़ी टीम में आये हैं, उनकी परफॉरमेंस इतनी शानदार रही है कि पुराने याद नहीं आ रहे हैं। रवींद्र जडेजा वापस आए हैं, धुआंधार खेल दिखाया। श्रेयस अय्यर ने धुआंधार खेल दिखाया। अब सिलेक्टर के सामने टेंशन यह है कि इन्हें कैसे हटाया जाये। श्रेयस अय्यर और रवींद्र जडेजा को सिर्फइसलिए बाहर कैसे करें कि विराट कोहली को लाना है। विराट कोहली को अपनी जगह बनानी पड़ेगी दोबारा। शानदार अतीत के आधार पर अब नयी कामयाबी किसी को न मिलनी, न कांग्रेस को न विराट कोहली को। खराब परफॉरमेंस दिखा दें रवींद्र जडेजा तो टीम संकट में पड़ जाती है, और अगर अच्छी परफॉरमेंस दिखा दें रवींद्र जडेजा तो सीनियर खिलाड़ियों की दोबारा वापसी पर समस्या हो जाती है। परफॉरमेंस अच्छी हो, तो सबको राहत मिलना जरूरी नहीं है। अच्छी परफॉरमेंस से आफत हो जाती है। पाकिस्तान के एक खिलाड़ी अफरीदी बहुत शानदार खेलते हैं, कुछ पाकिस्तानी लोगों का कहना है कि अगर उन्हें भारत में आईपीएल की नीलामी में शामिल किया जाता, तो उनकी कीमत 200 करोड़ लगती। 200 करोड़ कीमत तो आईपीएल में किसी प्लेयर की न लगी, पर पाकिस्तानियों की उम्मीद है। पाकिस्तानियों की उम्मीदों का कोई अंत नहीं है, भारत के हिस्से वाला कश्मीर भी उनका होगा, इसकी भी उन्हें उम्मीद है। मगर पाकिस्तानी अफरीदी अगर आईपीएल की नीलामी में शामिल होते, तो कई दूसरे खिलाड़ियों को टेंशन हो जाती। अफरीदी पर खर्च करें या ईशान किशन पर, यह सवाल कई आईपीएल टीमों के सामने खड़ा हो जाता। परफॉरमेंस से ही सब कुछ न मिलता, यह बात कंपनियों से लेकर क्रिकेट तक में लागू होती है। अर्जुन तेंदुलकर पुत्र सचिन तेंदुलकर इस बार तीस लाख रुपये के बिके हैं, पिछली बार वह बीस लाख के बिके थे। रेट में पचास परसेंट का इजाफा हो गया, बिना कोई मैच खेले। कई बार बिना कुछ किये बहुत कुछ मिल जाता है, पर इसके लिए जरूरी है कि आपके बाप ने बहुत कुछ कर दिया हो। पर तकदीर की बात भी है। सबको बाप के नाम से न मिलता। अभिषेक बच्चन उस तरह से लकी नहीं हैं कि बिना कुछ किये ही रेट बढ़ जायें। वे तो खुद भी थोड़ा-बहुत कर चुके हैं, पर उनके रेट न बढ़ते। धर्मेंद्र के एक बेटे बाबी देओल का भी कमोबेश यही हाल है। बाप की परफॉरमेंस से पॉलिटिक्स के अलावा कहीं और चलना मुश्किल हो जाता है, क्योंकि पॉलिटिक्स में परफॉरमेंस का कोई खास रोल न होता। पर क्रिकेट और फिल्म में तो कुछ करके दिखाना पड़ता है।

रूस के हमले से दांव पर दुनिया

जी. पार्थसारथी

22 फरवरी की शाम राष्ट्रपति व्लादिमीर ने अपने लोगों और शेष विश्व के नाम संबोधन में रूस को अमेरिका से दरपेश चुनौतियों के बारे में बताया। उनके दावे के मुताबिक यह सब रूस को पड़ोसी मुल्कों से दूर करने की गर्ज से है। उनका यह भाषण पड़ोसी यूक्रेन से बढ़ते तनावपूर्ण रिश्तों के बीच आया था। पुतिन ने भाषण में विशेष रूप से जिक्र किया कि अमेरिका ने दुर्भावनावश सोवियत रूस को कमतर और अस्थिर किया था। पुतिन ने पड़ोसी यूक्रेन की कथित भूमिका के बारे में भी तफ्सील से बताया कि वह भी रूसी संघ को अस्थिर करने वाली हालिया पश्चिमी साजिशों में शामिल हो गया है। उन्होंने भावुक होकर कहा, 'यहां मैं पुनः कहना चाहूंगा कि यूक्रेन हमारे लिए केवल पड़ोसी देश नहीं है। यह हमारे साझे इतिहास, संस्कृति और आध्यात्मिकता का अभिन्न हिस्सा रहा है।' उन्होंने आखिर में कहा कि मौजूदा हालात में यह जरूरी हो जाता है कि यूक्रेन में 'दोनेस्तक गणतंत्र' और 'लुहांस्क गणराज्य' द्वारा अपनी आजादी और संप्रभुता पाने वाली लंबित मांगों पर निर्णय लिया जाए। उनके इस प्रस्ताव को रूसी संसद ने आनन-फानन में मंजूर कर लिया। इस तरह 22 फरवरी को यूक्रेन के साथ बढ़ते तनावों में रूसी आक्रमण की भूमिका तैयार हो गई थी जो मुख्यतः अमेरिका के खिलाफथी। राष्ट्रपति बाइडेन को इस घटनाक्रम पर तीखी घरेलू आलोचना का सामना करना पड़ा है। पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप और उनके विदेश मंत्री रहे पोम्पियो के नेतृत्व में रिपब्लिकन राजनेताओं ने हल्ला बोलते हुए कहा कि जो कुछ हुआ वह स्थिति से सही तरह निपट पाने में बाइडेन प्रशासन की विफलता का नतीजा है और ठीक वैसा है जब प्रशासनिक शिकस्त की वजह से अफगानिस्तान से अमेरिकी फौज को बेइज्जत होकर वापसी करनी पड़ी थी। इसी बीच रूसी मीडिया ने गर्व से घोषणा की है कि दोनेस्तक और लुहांस्क ने यूक्रेन से निश्चयपूर्ण आजादी पा ली है।

पुतिन ने यह साफकर दिया है कि अब केवल दोनेस्तक और लुहांस्क ही नहीं बल्कि इलाकाई महत्वाकांक्षा का निशाना समूचा यूक्रेन है। उन्होंने अपने संबोधन में पूर्व सोवियत संघ की नीतियों की कटु आलोचना करते हुए किसी को नहीं बख्शा, जिसमें सोवियत काल के प्रतीक-पुरुष जैसे कि लेनिन, स्तालिन, ख्रुशचेव के अलावा कम्युनिस्ट पार्टी ऑफसोवियत यूनियन के नेतृत्व की तीन पीढ़ियां भी शामिल हैं। कम शब्दों में कहें तो, पुतिन द्वारा विगत के उन राजनेताओं की आलोचना करना अजीब और गैरवाजिब है, जिन्होंने रूस की वैज्ञानिक और तकनीकी उपलब्धियों की नींव रखी और सोवियत संघ को विश्वशक्ति बनाया था। पुतिन की इलाकाई महत्वाकांक्षा जाहिर होने के बाद चले घटनाक्रम ने रूस और दुनियाभर में हलचल पैदा कर दी है। जहां पहले यह महत्वाकांक्षा यूक्रेन के चंद इलाकों को 'आजादी' दिलवाने तक सीमित थी वहीं अब समूचा यूक्रेन कब्जाने के फैसले ने विश्व को चौंकाया है। उनका यह दावा यूक्रेन पर धावा बोलने के साथ लागू हुआ। आरंभ में कइयों को लगा कि वे सिर्फक्रीमिया को रूस में मिलाना चाहते हैं, लेकिन पुतिन के ताजा कृत्य ने दुनिया को हैरान-परेशान कर दिया है। भारत ने पहले भी वार्ता के जरिए रूस-यूक्रेन तनाव कम करने वाले प्रयासों का समर्थन करके सही किया था और अब भी यूक्रेन की मौजूदा सीमारेखा में बदलावों के प्रयास की ताईद न करके समझदारी दिखाई है। भारत सहित शायद ही कोई मुल्क ऐसा होगा जो रूस द्वारा सैन्य कार्रवाई करके यूक्रेन को हड़पने या टुकड़ों में बांट देने को सही ठहराए। कोई हैरानी नहीं कि राष्ट्रपति बाइडेन ने रूस पर दबाव बनाने के लिए तमाम नाटो, यूरोपियन और एशियाई सहयोगियों को लामबंद होने का आह्वान किया है। बाइडेन ने सबसे ज्यादा जिन मारक प्रतिबंधों का प्रस्ताव दिया था, उसमें रूस को उपलब्ध विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग सुविधाओं से महरूम करना शामिल था। अब इस पर अमल भी हो चुका है। अमेरिका स्थित ब्लूमबर्ग डॉट कॉम ने हालांकि बताया है कि राष्ट्रपति पुतिन द्वारा पृथक दोनेस्तक और लुहांस्क को मान्यता देने वाले दस्तावेज पर दस्तखत करने के 24 घंटों के अंदर अमेरिका और यूके ने आनन-फानन में रूस से 350 लाख बैरल कच्चा एवं परिशोधित तेल, सोना सहित 700 मिलियन डॉलर मूल्य की प्राकृतिक गैस, एल्यूमीनियम, टाइटेनियम, कोयला खरीदा है। रूस से इनका निर्यात आज भी जारी है। यूक्रेनी फौज और नागरिकों द्वारा रूसी सेना को कड़ी टक्कर के बीच पश्चिमी प्रतिबंध और सख्त होने जा रहे हैं। इसका विश्वव्यापी असर होना अवश्यम्भावी है।

अमेरिका और उसके यूरोपियन सहयोगियों द्वारा रूस पर प्रतिबंधों में सबसे करारा असर 'स्विफ्ट' नामक बैंकिंग व्यवस्था से महरूम करने से होगा। इसके अभाव में रूस की विश्व-व्यापार परिचालन क्षमता बाधित हो जाएगी और रूस के केंद्रीय बैंक का दुनिया के अन्य देशों से वैश्विक लेन-देन पंगु हो जाएगा। हालांकि, रूसी बैंक नियंताओं को इन उपायों का कयास पहले से था। इस सबके बीच रूसी अपना सैन्य अभियान बंद करने को तैयार नहीं हैं। हालांकि यूक्रेन ने सूझ-बूझ दिखाते हुए स्थिति सामान्य बनाने के लिए वारसा में शांति-वार्ता की पेशकश की है, लेकिन उम्मीद के मुताबिक रूस ने पहले यह प्रस्ताव ठुकरा दिया था। हालांकि बैठक का एक दौर हो चुका है। रूस द्वारा यूक्रेन पर दमन जारी रखने पर न केवल यूक्रेन को बल्कि रूसी नागरिकों को भी लंबे समय तक दुश्वारियां झेलनी पड़ेंगी, जिससे कटुता बढ़ेगी एवं आपसी एकता भंग होगी और बदनामी झेलनी पड़ेगी। उम्मीद करें कि रूस और यूक्रेन द्वंद्व में तमाम संबंधित पक्ष अपने जहन में रखेंगे कि अपने पड़ोस में शांति और सद्भावना कायम रखना दोनों की जिम्मेवारी है। शांति प्रयासों में फ्रांस और जर्मनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकते हैं। रूसी समस्याओं पर अमेरिका और अन्य मुल्कों द्वारा व्यर्थ का छद्म-राष्ट्रवाद बघारने और घुड़कियों का भयावह परिणाम हो सकता है। रूस के पास फिलहाल 6 हजार 400 परमाणु अस्त्रों का भंडार है, जिसमें एक हजार 600 सामरिक मिसाइलें तैयार हैं। रूस ने भड़काए जाने पर इनका इस्तेमाल करने का इरादा गुप्त नहीं रखा है। यूक्रेन में स्थिति हाथ से निकलने पाए, इस हेतु वैश्विक राजनीतिक और कूटनीतिक प्रयास बहुत महत्वपूर्ण बन जाते हैं। राष्ट्रपति बाइडेन और पुतिन जब जेनेवा में मिले थे तो आदर्श राजनेता की तरह कहा था- 'परमाणु युद्ध में कोई विजेता नहीं होता और यह कभी नहीं होना चाहिए।' उम्मीद करें कि यह दोनों ताकतें तनाव को काबू से बाहर नहीं होने देंगी। अमेरिका और सहयोगियों द्वारा लगाए प्रतिबंधों की वजह से रूस के साथ भारत के व्यापारिक और आर्थिक संबंधों पर असर पड़ेगा। हालांकि इन अड़चनों से जुगत लगाकर पार पाया जा सकता है। लेकिन पुतिन के कृत्यों ने नया वैश्विक तनाव ऐसे समय बना डाला है जब दुनिया पहले से ही कोरोना महामारी का घातक असर झेल रही है। किंतु फिलहाल लगता नहीं कि व्लादिमीर पुतिन पीछे हटने को राजी होंगे, जाहिर है उन्हें अपने परमाणु भंडार की पाश्विक शक्ति पर यकीन है।

पुलिस की नाक के नीचे जेल से चल रहा अवैध हथियार की तस्करी का धंधा

हथियार तस्करी के फरार आरोपी से हुई पूछताछ में हुआ खुलासा

माही की गूंज, मंदसौर। साहिल अगवान

नई आबादी पुलिस ने अवैध हथियार तस्करी के मामले में फरार आरोपित शाहिद खान निवासी नीमच को पकड़कर तीन देशी पिस्टल और 10 कारतूस बरामद किए है। जब शाहिद खान से पूछताछ की गई तो एक बड़ा खुलासा यह हुआ है कि, अवैध हथियार की तस्करी का गिरोह शाहिद का भाई सद्दाम प्रतापगढ़ जेल से ही चला रहा हैं। वहां बकायदा उसे फोन की सुविधा भी मिली हुई हैं। वह फोन पर ही पार्टियों से बात करता है और फिर शाहिद हथियार सप्लाय कर रहा हैं। सोमवार को शाहिद को न्यायालय में पेश किया गया। जहां से 3 मार्च तक का रिमांड मिला है। अब पुलिस जल्दश ही प्रतापगढ़ जेल से सद्दाम को लाएगी।

नई आबादी टीआई जितेंद्रसिंह सिसौदिया ने बताया कि, अवैध हथियार तस्करी के मामले में सूचना मिलने पर महू-नीमच राजमार्ग पर इंडियन पेट्रोल पंप के सामने नाकाबंदी की गई। बाइक सवार 26 वर्षीय शाहिद पिता लाल मोहम्मद खान निवासी बूढ़ा जिला मंदसौर हाल मुकाम रावण रुंडी जिला नीमच आया, उसे रोककर काले बैग की तलाशी ली गई। जिसमें से 3 देशी पिस्टल, 2 मेग्जीन व 10 कारतूस मिले। पिस्टल व कारतूस जब्त कर आरोपित से पूछताछ की गई तो उसने प्रतापगढ़ जेल से चल रहे अवैध हथियार तस्करी के पूरे नेटवर्क की कहानी सुनाई।

सद्दाम के कहने पर कर रहा था तस्करी

आरोपित शाहिद ने बताया कि, मेरा बड़ा भाई सद्दाम राजस्थाकन के समीपी जिले प्रतापगढ़ में जेल मे बंद है। वह अक्सर मुझसे मेरे मोबाइल पर बात करता है। अभी तीन पिस्टल व 10 कारतूस भी वह सद्दाम के कहने पर ही जावरा से ही लेकर आ रहा था। जावरा में मोबाइल नंबर 8817384319 दिया था और कहा था वहां जेएस घनश्याम को रुपये देकर तीन पिस्टल, दो मेग्जीन मय 10 राउंड लेकर आ जाना। सद्दाम के कहे अनुसार जावरा जाकर उक्त व्यक्ति से पिस्टल, मेग्जी न व राउंड लेकर आ रहा था। तथा पहले भी सद्दाम के कहने पर गंधवानी जिला धार में एक व्यक्ति से पिस्टल व कारतूस लेकर आया था। वह मेंने टिंकल मालवीय निवासी लुनाहेड़ा को दिए है।

इन आरोपितों की तलाश

अब पुलिस को हथियार तस्करी के मामले में सद्दाम पिता लाल मोहम्मद निवासी बूढ़ा थाना नारायणगढ़ जिला मंदसौर (हाल निरुद्ध प्रतापगढ़ जेल), टिंकल मालवीय निवासी लुनाहेड़ा थाना पिपलियामंडी तथा जेएस घनश्याम की तलाश है। इनके मिलने के बाद और भी अवैध हथियार बरामद हो सकते हैं।

एक और मामले में भी थी शाहिद की तलाश

नई आबादी थाने के एसआई संजयप्रताप ने बताया कि, 5 फरवरी को मेनपुरिया फंटे से 20 वर्षीय अजय पिता रामचंद राणा निवासी दलौदा को पकड़कर उसके पास से एक देशी पिस्टल और 4 जिंदा राउंड बरामद किए थे। अजय ने इस मामले में नीमच निवासी शाहिद का ही नाम लिया था, तभी से शाहिद की तलाश चल ही रही थी कि वह अवैध हथियार के साथ पुलिस की पकड़ में आ गया। सोमवार को शाहिद को कोर्ट में पेश किया गया। जहां से तीन मार्च तक की रिमांड मिली है।

यूक्रेन से पांच विद्यार्थी पहुंचे अपने घर

माही की गूंज, मन्दसौर।

रुस-यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध में सबसे ज्यादा फजीहत वहां मेडिकल की पढ़ाई करने गए हजारों बच्चों की हो रही हैं। दोनों देशों के बीच युद्ध भी अब तेज हो गया हैं। इधर मंदसौर के लिए अच्छी खबर यह है कि, यूक्रेन के विभिन्ना शहरों में फंसी दो छात्राएं व एक छात्र अब हंगरी पहुंचने वाले हैं। एक छात्रा ग्रेसी पचौरी तो हंगरी पहुंच गई हैं। वहीं सचिन प्रजापति व प्रगति कोठीफोड़ा भी जल्द ही हंगरी पहुंच जाएंगे। अब सब कुछ ठीक-ठाक रहा तो यह तीनों बच्चे भी एक-दो दिन में भारत पहुंच जाएंगे। यूक्रेन के माइनस 3 से 10 डिग्री तक के तापमान में भूखे-प्यासे सीमित संसाधनों के साथ सभी बच्चे अपने देश पहुंचने के लिए निकल चुके हैं।

इससे पहले भी लगभग 40 बच्चे यूक्रेन पोलेंड की सीमा से लौटकर आए थे। इसलिए इस बार भारतीय दूतावास की सूचना के बाद ही सभी निकले। यूक्रेन के डेनीप्रो शहर में रह रही ग्रेसी पचौरी अन्य भारतीय छात्रों के साथ हंगरी पहुंच गई हैं। वहीं सीतामऊ तहसील के ग्राम भगोर का निवासी सचिन प्रजापति भी मंगलवार दोपहर में भारतीय छात्रों के साथ हंगरी के लिए निकला हैं। उसके बुधवार को हंगरी पहुंचने की संभावना हैं। ल्विव शहर में रह रही प्रगति कोठीफोड़ा की भी मंगलवार सुबह अपने माता-पिता से बात हुई थी। जिसमें प्रगति ने बताया था कि वह कालेज के अन्य विद्यार्थियों के साथ हंगरी के लिए निकल रही हैं। दोपहर के बाद नेटवर्क या किसी अन्य कारण से पिता विपिन कोठीफोड़ा से प्रगति का संपर्क नहीं हो पाया है।

माता-पिता को मिली राहत

यूक्रेन के युद्धग्रस्त शहर ल्विव में रह रही अपनी बेटी प्रगति कोठीफोड़ा को लेकर पिता विपिन कोठीफोड़ा तीन-चार दिन से परेशान हो रहे थे। इधर युद्ध की गति तेज हो रही हैं और उधर बच्चों को बाहर निकालने की व्यवस्था नहीं होने से वह कभी सांसद सुधीर गुप्ता के पास जा रहे थे तो कभी विधायक यशपालसिंह सिसौदिया को अपना हाल बता रहे थे। मंगलवार सुबह उनकी बेटी प्रगति से बात हुई। प्रगति ने बताया कि, वह भारत के अन्य विद्यार्थियों के साथ बस से हंगरी जा रही हैं। इसके बाद नेटवर्क या अन्या कारण से प्रगति से संपर्क नहीं हो सका। पर अब माता-पिता दोनों को थोड़ी राहत मिली है कि एक-दो दिन में बेटी भारत आ ही जाएगी।

हंगरी पहुंचने की सूचना मिलते ही मिटी चिंता

सहकारी बाजार रोड के निवासी महेश पचौरी की पुत्री ग्रेसी यूक्रेन के डेनीप्रो शहर में ही फंसी थी। मंगलवार को वह हंगरी पहुंच गई हैं। इतनी जानकारी के बाद पिता महेश पचौरी व माता मीता पचौरी के चेहरे पर हंसी लौटी। क्योंकि समय के साथ युद्ध बढ़ने से सभी चिंतित हो रहे थे। अब हंगरी से भारत आने वाले हवाई जहाज से आ जाएगी। डेनीप्रो शहर यूक्रेन की राजधानी कीव से 600 किमी दूर है। इसलिए डेनीप्रो में ज्यासदा खतरा नहीं था पर युद्ध बढ़ने से माता-पिता के चेहरों पर चिंता की लकीरे खिंचती जा रही थी।

सचिन प्रजापति निकला यूनिवर्सिटी से

सीतामऊ तहसील के ग्राम भगोर निवासी देवीलाल प्रजापति का पुत्र सचिन प्रजापति भी डेनोरो यूनिवर्सिटी से भारतीय समयानुसार मंगलवार को दोपहर 3 बजे हंगरी बार्डर के लिए बस से निकले हैं। उसके कालेज से हंगरी बार्डर लगभग एक हजार किमी दूर हैं। इस बस में बैठे सभी बच्चे बुधवार को हंगरी बार्डर पहुंचेंगे। लगभग 30 से 40 बच्चे बस से निकले हैं। उल्लेखनीय है कि, अभी तक जिले में 5 विद्यार्थी लौट चुके हैं। यह सभी गरोठ क्षेत्र के हैं। गरोठ क्षेत्र के ग्राम बर्डिया इस्तमुरार के प्रदीप कुमार धाकड़, चेतन पुत्र लालचंद धाकड़, पावटी के राजेंद्रसिंह चौहान तथा गरोठ की दीक्षा पालीवाल यूक्रेन से लौट चुकी है। दीक्षा पालीवाल पांचवें वर्ष की पढ़ाई कर रही हैं। बाकी सभी विद्यार्थी चौथे वर्ष में ही है।

विभागों में पद रिक्ति के चलते आमजन परेशान

माही की गूंज, भानपुरा। अनिल नाहर

जिला मुख्यालय मन्दसोर से लगभग 135 किलो मीटर दुर भानपुरा तहसील मुख्यालय पर शासकीय विभागो, शिक्षण संस्थाओं, शासकीय अस्पताल में कई पद रिक्त पढे है। कई विभागो मे प्रभारी अधिकारी पदभार सम्भाल रहे है। भानपुरा तहसीलदार के पद पर नायब तहसीलदार नागेशं पवार प्रभारी तहसीलदार के रुप मे कार्य कर रहे है। तो नगर पालिका अधिकारी का पद विगत चार माह से रिक्त पड़ा है, गरोठ के नगर पालिका अधिकारी के पास प्रभार है जो सप्ताह मे एक दिन कुछ समय के लिए आते है।

शासकीय अस्पताल मे लगभग 10 चिकित्सको के पद रिक्त है। बालक हायर सेकण्डरी व कन्या हायर सेकण्डरी के प्राचार्य पद रिक्त है। शिक्षक प्रभारी प्राचार्य का काम देख रहे है, जिससे छात्रों की शिक्षा प्रभावित हो रही है। भानपुरा तहसील कि नवगठित नगर परिषद मे भी नगर पालिका अधिकारी के पद पर नाकेदार पदस्थ है, साथ ही नगर परिषद, राजस्व विभाग, पुलिस विभाग, ऋषि विभाग, महिला बाल विकास विभाग में कई पद रिक्त है। इससे शासकीय कार्य प्रभावित हो रहे है वहीं आमजन को उनके कार्यो के लिए परेशानी का सामना करना पढ रहा है। चिकित्सको के अभाव मे मरीजो को उपचार के लिए भवानीमण्डी, झालावाड, कोटा, मन्दसोर जाना पढ रहा है। साथ ही मुलभुत समस्याओ के निराकरण के लिए भी परेशानियो का सामना करना पड रहा है। प्रभारी अधिकारी अपने अधिकारो के दायरे मे रहकर ही काम कर रहे है। आमजन की क्षेत्रीय विधायक देवीलाल धाकड से मांग है कि, रिक्त पदो पर जल्द से जल्द नियुक्ति करवाएं व शासकीय अस्पताल मे तुरंत चिकित्सक नियुक्त हो ताकि मरीज व उनके परिजनों को उपचार के लिए दर-दर भटकना न पड़े।

तहसील के कब्जा हटाने के आदेश के बावजूद हो रहा पक्का निर्माण

माही की गूंज, शुजालपुर। अजय राज केवट

जब कभी दो पक्षो में विवाद होता है तो उसको लेकर न्यायालय या वरिष्ठ अधिकारी को यह मान कर शिकायत की जाती है कि, विवाद को वे अधिकारी हल करवाकर किसी निर्णायक स्थति में पहुंचाएंगे। हालांकि कई बार ऐसे मामलों में पीड़ित के पक्ष में निराकरण होने के बाद विपक्षी पक्ष आदेशो की अवहेलना करते रहते है और अधिकारी मोन धारण करके रखते है।

एक ऐसा ही मामला सामने आया है जिसमे पीडित के पक्ष में सुनवाई करते हुए एसडीएम ने विवादित रास्ते से अतिक्रमण हटाने के आदेश दिए थे। लेकिन विपक्षी पक्ष आदेश का पालन करना तो ठीक बल्कि अब विवादित भूमि पर पक्का निर्माण कर अतिक्रमण को मज़बूत करता दिखाई दे रहा है। वही पीड़ित राजेंद्र पिता हीरालाल सिसोदिया निवासी जेठड़ा का कहना है कि, 5 वर्ष पूर्व मैंने एक खेत खरीदा था जोकि मगरानिया के मुख्य मार्ग से लगा हुआ है। मेरे खेत पर जाने वाले आम रास्ते पर रमेशचंद पिता हरिसिंह द्वारा रास्ता अवरुद्ध कर रास्ते की मुरम हटाकर तार फेंसिंग की गई। इसकी शिकायत तहसील कार्यालय शुजालपुर पर की गई, जिसकी कोई सुनवाई नहीं होने की स्थिति को देख अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एसडीएम कार्यालय पर अपील की गई। उनके द्वारा वैधानिक कार्रवाई कर समस्या के समाधान का आदेश दिया गया। इस पर आरआई द्वारा मौके पर जाकर पंचनामा बनाया और दो

दिवस में कब्जा हटाने का नोटिस आरोपी पक्ष को दिया। लेकिन अब 2 माह बीतने के पश्चात भी कब्जा हटाना तो दूर बल्कि वहां पक्का निर्माण होने लगा है।

मामला आम रास्ते का है जिसमें फरियादी को निकलने में काफी कठिनाई हो रही है। विपक्षी द्वारा इस रास्ते को रोकने का कोई वैध अधिकार नहीं है। उसके बावजूद उस जगह पर पक्का निर्माण होना और अधिकारियों का इस तरह से मौन रहना फरियादी के मन में कई प्रश्न खड़े करता दिख रहा है। वही मामले में एसडीएम सत्येंद्र सिंह का कहना है कि, मौके पर तहसीलदार को पहुंचा कर यथावत स्थिति का मुआयना करवाया जाएगा, उसके बाद समस्या का समाधान किया जाएगा।

24 क्विंटल अवैध डोडाचूरा सहित वाहन जप्त

माही की गूंज, मन्दसौर।

पुलिस चौकी माननखेड़ा पुलिस थाना रिंगनोद में मुखबिर की सूचना पर 28 फरवरी को एक वाहन से 24 क्विंटल छह किलो अवैध डोडाचूरा छिलका जब्त किया। वहीं उपयोग में आए हुए वाहन को भी जब्त किया। इस मामले में दो नामजद आरोपितों व अन्य दो के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया, एक आरोपित फरार है। गिरफ्तार आरोपित वाहन चालक को पुलिस ने न्यायालय में पेश किया। जहां से उसे 4 मार्च तक पुलिस रिमांड पर भेजा। रिंगनोद थाना टीआई दर्शना मुजाल्दा पुलिस चौकी माननखेड़ा प्रभारी राकेश मेहरा की टीम को मुखबिर से सूचना मिली थी कि, मंदसौर की तरफसे एक ट्रक में अवैध रूप से डोडाचूरा छिलका माननखेड़ा होते हुए नासिक महाराष्ट्र की ओर ले जाया जा रहा है। उक्त सूचना पर पुलिस दल ने माननखेड़ा क्षेत्र में नाकेबंदी कर मंदसौर की तरफसे आ रहे ट्रक क्र. एचआर 58 एच 6902 आता हुआ दिखा तो पुलिस ने उसे रुकवाया। वाहन में वाहन चालक बैठा मिला। उससे पूछताछ की गई तो उसने अपना नाम 44 वर्षीय मोहम्मद इंतजार पिता अब्दुल सत्तार पठान निवासी रसूलपुर थाना नकुर जिला सहारनपुर उत्तरप्रदेश बताया। पुलिस ने वाहन चालक से पूछताछ की तो उसने ट्रक के अंदर पीछे की तरफबोरे भरे होना बताया। वाहन की तलाशी ली तो वाहन में रखे बोरों को खोलकर चेक करने पर उसमें अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा छिलका होना पाया गया। इस संबंध में आरोपित चालक से पूछताछ की तो उसने बताया कि, शाहिद पिता बाबू बिल्लौद निवासी बिल्लौद थाना नाहरगढ़ जिला मंदसौर व अन्य दो व्यक्तियों द्वारा उक्त अवैध मादक पदार्थ भरना बताया। चालक ने बताया कि, नासिक में गाड़ी पहुंचते ही मैं उनसे संपर्क कर लूंगा। पुलिस ने बोरे में भरे 24 क्विंटल छह किलो अवैध डोडाचूरा छिलका जब्त किया। वहीं उपयोग में आई वाहन को भी जब्त किया। पुलिस ने दो नामजद व दो अन्य आरोपितों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट की धारा में प्रकरण दर्ज किया। पुलिस फरार आरोपितों की तलाश में जुटी हुई है।

हाईटेंशन लाइट के तारों के संपर्क में आने से कपड़ों से भरे ट्रक में लगी आग

माही की गूंज, मंदसौर।

शामगढ़ मेलखेड़ा रोड पर शांतिकुंज के निकट कपड़े की गठानों से भरे एक ट्रक में अचानक आग लग गई। ट्रक में आग लगने की सूचना के बाद शामगढ़ नगर परिषद की फाइटर से आग बुझाने की कोशिश की गई। लेकिन आग पर काबू नहीं पाया जा सका। आग से ट्रक में जलकर सबकुछ खाक हो गया। जानकारी अनुसार, शामगढ़ के शांतिकुंज के निकट बुधवार दोपहर करीब साढ़े 12 बजे कपड़े की गठानों से भरे एक ट्रक में अचानक से आग लग गई। हादसे के बाद ट्रक चालक ने बाकी बची कपड़े की गठानों को बचाने का खाफी प्रयास किया। लेकिन आग इतनी जबरदस्त थी कि ट्रकों को खाली करने का मौका ही नहीं मिला। ट्रक के ऊपर अगले हिस्से में लगी आग ने कुछ ही देर में पूरे ट्रक को चपेट में ले लिया। मौके पर पहुंची फायर फाइटर से भी आग पर काबू नहीं पा सके। कुछ ही देर में ट्रक पूरी तरह जलकर राख हो गई। बताया जा रहा है कि, ट्रक कपड़े की गठान को लादकर भवानीमंडी की ओर जा रहा था। इसी दौरान शामगढ़ के निकट सड़क ऊपर से निकल रही हाईटेंशन लाइट के तारों के संपर्क में आने से शॉर्ट सर्किट हुआ। इससे निकली चिंगारी से कपड़े की गठानों में आग लग गई। जब तक चालक को कुछ समझ में आता तब तक आग ट्रक में फैल चुकी थी। हादसे में ट्रक और इसमे भरा कपड़ा पूरी तरह जलकर राख हो गया। हालांकि, ट्रक चालक को कोई नुकसान नहीं हुआ।

शादी कर ठगी करने वाली दुल्हन व दलाल गिरफ्तार, तीन साथी फरार

माही की गूंज, मंदसौर।

शादी के नाम पर ठगी करने वाली आरोपित दुल्हन की साथी पूनम उर्फछोटी बाई जावर पुलिस के हाथ लग गई। उसे गिरफ्तार कर पुलिस ने मंगलवार को कोर्ट में पेश किया। जहां से उसे पुलिस ने रिमांड पर लिया है। इस मामले में पुलिस को कावेरी बाई और दिलीप की तलाश है। अभी इन दोनों आरोपितों का पता नहीं चल सका है।

मंदसौर जिले के ग्राम फतेहगढ़ निवासी पप्पू सिंह से शादी कर दो लाख रुपए ठग कर फरार हुई दुल्हन प्रियंका और दलाल कैलाश ठाकुर को करीब एक सप्ताह पहले ही पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था लेकिन इनके साथी पूनम छोटी बाई उर्फपूर्णिमा, कावेरी और दिलीप हाथ नहीं आए थे। इनकी तलाश में लगी पुलिस को मंगलवार को सफलता मिली है।

जावर थाना प्रभारी केड़ी तिवारी ने बताया कि, आरोपित पूनम बाई को खंडवा से गिरफ्तार किया गया है। पूनम से दुल्हन के

कपड़े जब्त करना है। साथ ही ठगी के रुपयों के बारे में भी जानकारी लेना है। पूनम को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया है। शेष आरोपित कावेरी बाई और दिलीप की तलाश की जा रही है।

ये है मामला

मंदसौर जिले के ग्राम फतेहगढ़ निवासी गायत्री बाई पत्नी प्रहलाद सिंह करीब चार से पांच माह पहले मूंदी क्षेत्र के ग्राम आवलिया निवासी रिश्तेदार की शादी में आई थी। यहां गायत्री बाई की मुलाकात कैलाश ठाकुर से हुई थी। कैलाश को गायत्री बाई ने कहा था कि, उसके छोटे भाई पप्पू सिंह की शादी के लिए कोई अच्छी लड़की हो तो बताना। कैलाश ने गायत्री बाई को कहा कि, ग्राम आवलिया की ही एक लड़की है लेकिन उसके परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। इसके लिए उसे दो लाख रुपए देना होंगे। इसके बाद दो लाख रुपए लेकर गायत्री बाई और पप्पू सिंह खंडवा पहुंचे थे। यहां प्रियंका दुल्हन के जोड़े में आई थी। दो लाख रुपए एक ढाबे पर लेने के बाद पप्पू अपनी दुल्हन प्रियंका को लेकर जा रहा था। इस बीच जावर से कुछ दूर बाइक सवार दो युवकों ने कार को रुकवाया। प्रियंका कार से उतर गई और युवकों के साथ बाइक पर बैठकर फरार हो गई थी। इस मामले में जावर थाने में आरोपितों पर धारा 420 में प्रकरण पंजीबद्ध किया गया था।

प्रताड़ना से परेशान होकर खुदकुशी मामले में पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

माही की गूंज, रतलाम।

समीपस्थ ग्राम पलसोड़ा में एक माह पूर्व प्रताड़ना से तंग आकर ग्रामीण द्वारा खुदकुशी के मामले में नामली पुलिस ने गाँव के ही कचरू राठौड़ सहित दो अन्य आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया। रविवार सुबह आरोपी कचरू राठौड़ को गिरफ्तार करने पहुंची नामली पुलिस के सामने उसके पक्ष के कुछ युवाओं ने हंगामा किया तो बाद में गिरफ्तार कचरू राठौड़ को छुड़ाने थाने पहुंचे। हालांकि कचरू राठौड़ को छुड़ाने पहुंचे समर्थकों को नाकामयाबी हाथ लगी।

बता दे कि, 16 जनवरी को प्रताडना से तंग आकर पलसोड़ा निवासी मुकेश पिता रामचंद्र माली ने कीटनाशक पीया था, जिसकी 17 जनवरी की सुबह उपचार के दौरान मौत हो गई थी। पीएम रिपोर्ट पश्चात मामले की जांच में जुटी नामली पुलिस के सामने मृतक मुकेश माली के परिजन ने बयान दिए कि, घटना की सुबह मृतक मुकेश के पुत्र ईश्वर से राधेश्याम पिता प्रेमचंद्र आंजना के घर के बाहर मोटरसाइकिल में टक्कर लग गई थी। इसके बाद आरोपी कचरू पिता तेजराम राठौड़, प्रहलाद पिता हेमराज आंजना एवं राधेश्याम पिता प्रेमचंद आंजना तीनों निवासी पलसोड़ा ने दुर्घटना स्थल पर वीडियो बनाकर मुकेश माली के घर पहुंच एक लाख रुपए नकद, नई मोटरसाइकिल सहित जमीन विवाद का केस वापस लेने के लिए धमकाया था। आरोपियों ने उक्त दुर्घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल कर दबाव बनाया था। पुलिस ने मृतक मुकेश माली की पत्नी अनीता माली और पुत्र ईश्वर माली के बयान तथा साक्ष्य के आधार पर तीनों आरोपियों के खिलाफ भादंवि की धारा 306 एवं 385 सहित 34 में प्रकरण दर्ज किया।

मीटर से छेड़छाड़ एवं विद्युत चोरी करने वालों पर की जाएगी कर्रवाई

माही की गूंज, खरगोन।

शहर के अंतर्गत अधीक्षण यंत्री डीके गाठे के मार्गदर्शन में शहर के विभिन्न क्षेत्रों में चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के दौरान शहर के ऋषिका नगर, आजाद नगर, चिश्तिया नगर, चमेली की बाड़ी में मीटर से छेड़छाड़ करने वाले एवं विद्युत की चौरी करने वालों के प्रकरण बनाकर कार्रवाई की जा रही है। वहीं उनके कनेक्शन विच्छेदन किया जा रहा है।

श्री गोठे ने बताया कि, आगामी दिवसों में बाहर की टीमों द्वारा भी वृहद चेकिंग अभियान चलाया जाएगा। जिससे विद्युत की चौरी करने वालों पर अंकुश लगाया जा सके। श्री गाठे ने नागरिकों से अपील की है कि, बिजली की बचत की जाए।

सड़क पर गंभीर घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाने पर मिलेंगे 5 हजार

माही की गूंज, बड़वानी।

जिले में गुड सेमेरिटन (नेक व्यक्ति) योजना से मृत्युदर में कमी के लिए यातायात पुलिस लोगों व विद्यार्थियों को जागरूक कर रही है। यातायात पुलिस ने लोगों को योजना की जानकारी देते हुए बताया कि, सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय ने योजना की शुरुआत की है। योजना के तहत सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को बचाने का कार्य करने वाले गुड सेमेरिटन को 5 हजार रुपए की नकद प्रोत्साहन राशि व प्रशस्ति पत्र दिया जाएगा।

गुड सेमेरिटन व्यक्ति को 5 हजार रुपए के इनाम के अलावा केंद्र सरकार की तरफसे 10 जीवन रक्षकों को 1-1 लाख रुपए का पुरस्कार दिया जाएगा। ऐसे 10 प्रकरण उत्कृष्ट सहायता के आधार पर चयनित कर परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय दिल्ली में सम्मान होगा। पुलिस द्वारा-गुड सेमेरिटन का पता, घटना का विवरण, मोबाइल नंबर इत्यादि अधिकृत लैटरपैड पर निर्धारित प्रारूप गुड सेमेरिटन और जिला अप्रेजल कमेटी को भेजा जाएगी। ऐसे मामलों को परीक्षण करने के लिए जिला स्तर पर कलेक्टर की अध्यक्षता में कमेटी बनेगी। इसमें एसपी, सीएमएचओ व जिला परिवहन अधिकारी सदस्य होंगे। कमेटी प्रकरणों की समीक्षा कर अवॉर्ड देने का निर्णय लेगी। सूची राज्य परिवहन आयुक्त को भेजी जाएगी। राज्य आयुक्त द्वारा सीधे गुड सेमेरिटन के बैंक खाते में प्रोत्साहन राशि जमा कर दी जाएगी।

जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री सड़क योजना जैसी क्रांतिकारी योजना का गुणवत्ता युक्त होना जरूरी- सांसद श्री पटेल

माही की गूंज, बड़वानी।

प्रधानमंत्री सड़क योजना ने ग्राम विकास के द्वार खोल दिए है। उतनी ही महत्वपूर्ण प्रधानमंत्री जल जीवन मिशन योजना भी है। इससे हम कई बीमारियों को समूल नष्ट कर सकेंगे। क्योकि घर-घर शुद्ध पेयजल पहुंचने से यह संभव हो सकेगा। अतः इस योजना में चल रहे निर्माण कार्यो में कही पर भी क्वालिटी में समझोता नही किया जाये। जिससे ग्रामीणों को इस योजना का लाभ निरंतर मिलता रहे।

लोकसभा सांसद गजेन्द्रसिंह पटेल ने जिले में संचालित जल जीवन मिशन कार्यो की समीक्षा करते हुए उक्त बाते कही। कलेक्टरेट सभागृह बड़वानी में आयोजित बैठक में कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा, केबिनेट मंत्री प्रेमसिंह पटेल के प्रतिनिधि बलवंतसिंह पटेल, जगदीश धनगर सहित पीएचई विभाग के कार्यपालन यंत्री नवीन, जिला पंचायत के एडिशनल सीईओ अशोक जैन, विद्युत, महिला बाल विकास, स्कूल शिक्षा विभाग के जिला अधिकारी एवं इन विभागों का मैदानी अमला उपस्थित थे।

बैठक के दौरान दिए निर्देश

बैठक में निर्देश दिए कि, जिन ग्रामों की नल-जल योजना पूर्ण हो गई है, उसकी जानकारी स्थानीय निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को दी जाए। जिससे यह भी इनके कार्य की गुणवत्ता का परीक्षण कर सके। बिना जनप्रतिनिधियों के निरीक्षण व ओके रिपोर्ट के ठेकेदारों को पूर्ण भुगतान न किया जाए। ग्राम पंचायतों के ग्रामों में बैठकों का आयोजन कर ग्रामीणों को पेयजल वितरण की व्यवस्था के बारे में बताया जाये। और उन्हे वितरण व्यवस्था में होने वाले व्यय एवं लगने वाले शुल्क से अवगत कराया जाये। जिससे लोग लगने वाले शुल्क का नियमित भुगतान करे। और इससे विद्युत देयको तथा वाटर मेन के मानदेय का नियमित भुगतान ग्राम पंचायते कर सके। पेयजल वितरण और निर्धारित शुल्क वसूली से ग्राम के स्व-सहायता समूह की महिलाओं को जोड़ा जाये। जिससे योजना नियमित रूप से संचालित हो सके। ग्रामों में होने वाली बैठकों में हितग्राहियों के साथ-साथ स्कूल-आंगनवाड़ी के पदाधिकारियों को भी बुलाया जाये। जिससे निर्मित संसाधन सुचारू बने रहे। ग्राम पंचायत भवन के दीवार पर योजना से संबंधित समुचित जानकारी अंकित कराया जाये। स्कूलो-आंगनवाड़ियों-घरों में कनेक्शन देने के दौरान खोदी गई सड़को, दीवारों को पूर्व के समान करने की जिम्मेदारी ठेकेदार की है, अतः सभी इसे सुनिश्चित करेंगे। निरीक्षण के दौरान इस कार्य में कोताही पाये जाने पर संबंधित पदाधिकारियों को कठोर कार्रवाई की जायेगी। यदि कोई स्थानीय व्यक्ति कार्य में बाधा डाल रहा है, तो उसकी शंका का निवारण करवाया जाये। पीएचई विभाग के अधिकारी, क्षेत्रीय राजस्व अधिकारी के सहयोग से बैठक लेकर योजना की जानकारी दे। फिर भी यदि कोई कार्य में व्यवधान डाल रहा है तो उसके विरूद्ध थाने में एफआईआर दर्ज कराई जाये। जल जीवन मिशन के तहत स्कूलो-आंगनवाड़ियों में भी रनिंग पेयजल की उपलब्धता होना है। अतः संबंधित पदाधिकारी सुनिश्चित करेंगे कि इन संसाधनों में विद्युत कनेक्शन निर्धारित समय सीमा में पूर्ण हो जाये। जल जीवन मिशन के अंतर्गत विभिन्न स्तरों पर नियुक्ति विभिन्न ऐजेंसियों के पदाधिकारी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन अच्छी तरह से करे। अन्यथा की स्थिति में उनके विरूद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर ने नगर भ्रमण कर स्ट्रीट चिल्ड्रन से की मुलाकात, माता-पिता से चर्चा

गौरी के भाई-बहनों को कपड़े व सामग्री की भेंट

माही की गूंज, खरगोन।

महिला एवं बाल विकास द्वारा पिछले दिनों ऐसे बच्चों का सर्वे किया। जो धार्मिक स्थलों या नगर व्यस्तम स्थल पर पन्नी बीनने या उनके माता पिता द्वारा भीख मांगने के समय उनके साथ रहकर स्कूलों से दूरी बनाए हुए हैं। ऐसे बच्चों और अभिभावकों से कलेक्टर श्रीमती अनुग्रहा पी ने नगर भ्रमण कर मुलाकात की। मुलाकात के दौरान कलेक्टर श्रीमती अनुग्रहा ने बच्चों के माता पिता से चर्चा करते हुए उनकी जीवन चर्या और गतिविधियों के बारे में जाना। इस दौरान कलेक्टर नवग्रह मंदिर प्रांगण, रहिमपुरा और डाबरिया क्षेत्र में बच्चों व अभिभावकों से मुलाकात की। रहिमपुरा में गौरी नाम की बालिका और उसके तीन भाई बहनों को कपड़े, बिस्किट, ब्रश, तेल साबुन व अन्य सामग्री भेंट की। इस दौरान एसडीएम श्री मिलिंद ढोके, महिला एवं बाल विकास विभाग की कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती रत्ना शर्मा, उपस्थित रही।

बनाए जाएंगे सभी के दस्तावेज

मुलाकात के दौरान कलेक्टर ने दस्तावेजों के बारे में भी जानकारी ली। किसी भी माता पिता ने दस्तावेजों के बारे में नहीं बताया। कलेक्टर ने पुनः एक सप्ताह में सघन सर्वे कराने और दस्तावेज बनाने के निर्देश दिए। नवग्रह मंदिर और रहिमपुरा में मुलाकात के समय दो गर्भवती माताओं से बच्चों की जानकारी ली। उनके पूर्व से ही 3 व 4 बच्चें है। ऐसी स्थिति के बाद कलेक्टर न मौके पर मौजूद सीएमएचओ डॉ. डीएस चौहान को निर्देश दिए परिवार नियोजन के लिए दल भेजे और उन्हें वाहन से ले जाये और छोड़ने भी आये।

बच्चों व परिजनों के लिए स्वास्थ्य शिविर होगा आयोजित

कलेक्टर श्रीमती अनुग्रहा पी ने निर्देश दिए कि, एक सप्ताह में सर्वे के बाद बच्चों और माता पिता के लिए स्वास्थ्य शिविर का आयोजन करें। रिहैबिलिटेशन करने पर जोर देते हुए सीएमओ श्रीमती प्रियंका पटेल को कहा कि सफाईकर्मी या इनकी योग्यता व स्वीकृति के अनुसार रोजगार से जोड़े। साथ ही डॉक्यूमेंट बनाने के बाद उनकी खाद्यान पर्ची बनाई जाएगी। साथ ही महिला बाल विकास विभाग निजी स्पांसरशिप में रजिस्ट्रेशन करने के बाद प्रति माह 2 हजार रुपये के स्थान पर आवश्यकता अनुरूप सामग्री प्रदान की जाएगी। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा कराएं गए सर्वे में जिलेभर में 12 स्ट्रीट चिल्ड्रन और नपा के सर्वे में खरगोन शहर में 15 ऐसे बच्चें चिन्हांकित किए गए हैं। इसलिए पूनः महिला एवं बाल विकास द्वारा सघन सर्वे होगा।

मृत कृषक, ट्रस्ट, धार्मिक संस्थान, वृद्ध एवं शारीरिक रूप से असक्षम कृषकों का किया जाएगा पंजीयन

माही की गूंज, खरगोन।

जिला आपूर्ति अधिकारी भारत सिंह जमरे से प्राप्त जानकारी अनुसार मृत कृषक, ट्रस्ट, धार्मिक संस्थान की भूमि, आधार विहीन कृषक एवं वृद्ध एवं शारीरिक रूप से असक्षम कृषक जिनका बायोमेट्रिक संभव नहीं है। उन कृषकों का पंजीयन डीएसओ (जिला आपूर्ति अधिकारी) लॉगिन से होना है। ऐसे मृत कृषक जिनकी भूमि का नामांतरण लंबित है वे मृत कृषक के उत्तराधिकारी सदस्यों के सहमति पत्र के आधार पर एक व्यक्ति को नॉमिनी के रूप में दर्ज किया जाना है। नॉमिनी सदस्य के लिए आईडी, आधार से लिंग मोबाईल नंबर एवं बायोमेट्रिक उपरांत ही पंजीयन एवं आधार से लिंक बैंक खातें में ही भुगतान किया जाएगा। वहीं ट्रस्ट एवं धार्मिक संस्थान की भूमि के पंजीयन के लिए अधिकृत व्यक्ति को जारी प्राधिकार पत्र की प्रति आईडी, आधार से लिंक मोबाईल नंबर एवं बायोमेट्रिक उपरांत ही पंजीयन एवं आधार से लिंक बैंक खातें में ही भुगतान किया जाएगा। साथ ही भूमि का पंजीयन खसरे में दर्ज भूमि में बोये गए रकबे एवं फसल के आधार पर किया जाएगा। साथ ही आधार विहीन कृषकों का पंजीयन मोबाईल नंबर पर प्रेषित ओटीपी के आधार पर किया जाएगा। वृद्ध एवं शारीरिक रूप से असक्षम कृषक जिनके फिंगर प्रिंट स्पष्ट न होने से आधार डाटाबेस में मोबाइल नंबर अपडेट एवं बायोमेट्रिक सत्यापन संभव नहीं है। ऐसे कृषकों को परिवार के किसी सदस्य को नॉमिनी के रूप में नियुक्त करना होगा। नियुक्त किए नॉमिनी सदस्य का आईटी, आधार से लिंक मोबाइल नंबर एवं बायोमेट्रिक (अथेंटिकेशन/ओटीपी) उपरांत ही पंजीयन तथा नॉमिनी के बैंक खाते में ही भुगतान किया जाएगा।

9 मार्च को होगी दिशा की बैठक

माही की गूंज, खरगोन।

क्षेत्रीय सांसद गजेन्द्र सिंह पटेल की अध्यक्षता में नवीन कलेक्ट्रेट भवन के सभाकक्ष में 9 मार्च को दिशा की बैठक आयोजित होगी। बैठक में दीनदयाल अन्त्योदय योजना, पीएम कौशल विकास योजना, पीएम रोजगार सृजन कार्यक्रम, राष्ट्रीय सामाजिक सहायक कार्यक्रम, सांसद ग्राम योजना, सर्व शिक्षा अभियान, पीएम आदर्श ग्राम योजना सहित 18 बिन्दुओं पर समीक्षा की जाएगी।

विशेष बच्चों के मनोविकास में टीएलएम किट सहायक सिद्ध होंगे- जिला न्यायाधीश श्री सोनी

माही की गूंज, बड़वानी।

बच्चे ईश्वर का स्वरूप होते हैं तथा उन्हें आरंभिक बाल विकास में ध्यान रखने की बहुत आवश्यकता होती है। यह आवश्यकता तब और बढ़ जाती है जब बच्चा विशेष श्रेणी में होकर बहु दिव्यांग है। उक्त बातें सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं जिला न्यायाधीश राकेश कुमार सोनी ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पर आए बहु दिव्यांग बालक को जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र के माध्यम से टीएलएम किट प्रदान करते हुए कही। उन्होंने कहा, दिव्यांगों को सबल बनाने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से भी शासन की विभिन्न योजनाओं से उन्हें जोड़ा जा रहा है। राजपुर निवासी दिव्यांग दंपत्ति श्री खोटे के 5 वर्षीय दिव्यांग बालक को मनोविकास के तहत सामाजिक न्याय निशक्तजन कल्याण विभाग अंतर्गत जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्रआशाग्राम ट्रस्ट के माध्यम से टीचिंग लर्निंग मटेरियल संसाधन दिए गए हैं। जिससे परिवार के लोग बालक की बहु क्षमताओं को विकसित कर उसे सबल बनाने के लिए दक्ष हो सकेंगे। इस दौरान केंद्र की प्रशासकीय अधिकारीश्रीमती नीता दुबे प्राधिकरण के श्री अर्जुन परमार सहित पैरा लीगल वालंटियर उपस्थित थे।

नेहरू पार्क से बरसों पुरानी हटी गुमटीओ को लेकर विस्थापित करने की मांग

इंदौर। शहर का सबसे पुराना नेहरू पार्क को लेकर अब कई घूमटीधारक निगम कमिश्नर से मिलने की तैयारी में है। यहां पर वर्षो से अपना व्यापार व्यवसाय करने वाले व्यापारी की गुमटी हटने के बाद एक तरह से बेरोजगार हो गए हैं जिसमें उनका कहना है कि कमिश्नर से मिलकर चर्चा की जाएगी कि कहीं पर भी विस्थापित किया जा सकता है। नेहरू पार्क के धेनू मार्केट की ओर नगर निगम ने 9 से अधिक घूमटी हटाई जिसमें चाय से लेकर रेस्टोरेंट तक लग गए थे। इसमें सबसे अधिक पुराने मुन्ना चाय वालों का कहना है कि हमें कहीं दूसरी जगह सपित किया जाए। यहां पर 9 से अधिक घूमती वाले थे जिसमें से अधिकतर बेरोजगार हो गए हैं इसलिए लोगों ने नाराजगी भी जाहिर की है।

नेताओं द्वारा वितरित पानी के टैंकर की हो रही दुर्गति

माही की गूंज, आम्बुआ, मंयक विश्वकर्मा

विधानसभा क्षेत्र हो या संसदीय क्षेत्र जब भी चुनाव बाद नेतृत्व या सत्ता परिवर्तन होता है, नेता अपने चाहेतो को और कुछ न दे मगर पानी के टैंकर जरूर देते हैं। पानी के टैंकर जिस कार्य हेतु दिए जाते हैं उनका उपयोग उन कार्यों के बजाय अन्य कार्यों में अधिक होता है तथा उनका रख रखाव सही नहीं होने के कारण वे कुछ समय बाद भंगार की स्थिति में पहुंचकर अनुपयोगी हो जाते हैं।

जैसा विदित है कि, किसी भी पार्टी या विधायक, सांसद जब चुनाव जीतकर आता है तो अपने समर्थित सरपंचों और यदि सरपंच उनकी पार्टी का समर्थक नहीं होता है। तब अपनी पार्टी या अपने समर्थक क्षेत्र में अपनी ÷धाक÷ रुतबा रखने वाले कार्यकर्ताओं को पानी का टैंकर प्रदान कर देते हैं। यह टैंकर सार्वजनिक कार्यों हेतु जल प्रदाय हेतु दिया जाता है। शादी-विवाह, अंतिम संस्कार, सामाजिक, धार्मिक आयोजनों तथा अग्नि लग जाने आदि में जल प्रदाय हेतु इसका उपयोग किया जाता है। जिन्हें जरूरत होती है टैंकर की व्यवस्था कर पानी भरवा कर ले जाता है।

पूर्व में दिए गए कई छोटे-बड़े टैंकरों को भरने हेतु जरूरतमंदों को किसी कुएं या ट्यूबेल वालों से निःशुल्क या सशुल्क प्राप्त किया जाता था। कई बार बिजली नहीं होने के कारण पानी भरने में परेशानी होती थी, वर्तमान में नेताओं ने इस समस्या को समझा और अब टैंकर पर छोटा डीजल इंजन या मोटर भी लगा दी जा रही है, ताकि नदी, तालाब, कुआं जहा भी जल मिले तत्काल भरा जा सके। क्षेत्रीय सांसद गुमान सिंह डामोर ने भी जो टैंकर वितरित किए इसी श्रेणी में है।

टैंकर वितरण हर पंचायत या गांव के सरपंच, पंच, पटेल, तड़वी में से किसी एक को सौंपा जाता है। टैंकर देने के बाद उसका रखरखाव कौन करें यह जवाबदारी कोई नहीं लेता है। जब तक उसके टायर आदि ठीक रहे चलाया, खराब हुआ तो भंगार में पटक दिया। पंचायतों के पास इसके रखरखाव हेतु शायद कोई मद नहीं होती है और यदि होती होगी तो वह यह देखती होगी कि टैंकर किस पार्टी के नेता ने दिया। जिसे और जिसको दिया वह जाने वह संभाले और इसी तेरे मेरे के चक्कर में कई टैंकर ग्रामीण क्षेत्रों में भंगार के रूप में मिल जाएंगे। कुछ की टंकियां फूटी पड़ी है तो कई के टायर खराब होकर पड़े हैं। नल तथा पाइप आदि सब गायब हो गए होते हैं।

आम लोगों का मानना है कि, जिन्हें व्यक्तिगत या पंचायत स्तर पर दिए जाएं शासन द्वारा उनके रखरखाव की व्यवस्था हेतु समय-समय पर कोई व्यवस्था संबंधी ÷मद÷ जरूर जारी की जाए ताकि वे सुचारू रूप से सेवा में आ सके।

समय से पूर्व सुखी हथिनी, पशुओं के लिए जल संकट की दस्तक

माही की गूंज, आम्बुआ।

आम्बुआ तथा समीप ग्राम बोरझाड़ के मध्य बहने वाली हथनी नदी इस वर्ष कम वर्षा तथा स्टॉप डेम में कड़ी शटर खराब होने के कारण समय पूर्व सुख कर कंक्रीट का मैदान बन गई। जिस कारण आगामी दिनों में नदी किनारे बसे ग्रामीणों तथा वन्य जीवो के लिए जल संकट की दस्तक कही जा सकती है।

हथनी नदी जैसा विशाल नाम वैसी स्थिति अब नहीं है। कभी बारह माह कल-कल बहने वाली हथनी नदी पर स्थान-स्थान पर स्टॉप डेम बन जाने तथा इसकी सहायक नदी नालों पर तालाब बन जाने के कारण वर्षा काल में ही पानी की आवक कम रहती है। वर्षा के बाद अन्य डेमो तथा तालाबों में पानी एकत्र हो जाने से आम्बुआ-बोरझाड़ क्षेत्र में हथनी नदी समय पूर्व सुख जा रही है। यह स्थिति तब और भयावह हो जाती है तब क्षेत्र में कम वर्षा होती है। इस वर्ष भी यही कारण रहा कि, नदी जिसमें कम से कम अप्रैल-मई तक पर्याप्त पानी रहता था वह फरवरी में ही सुख गया। नदी किनारे पर कृषक अपनी फसल हेतु इसी नदी से पानी खींचते हैं इस कारण भी नदी सूख जाती है। आम्बुआ-बोरझाड़ के मध्य नदी पर बने स्टॉप डेम के कड़ी शटर जीर्ण शीर्ण होने से पानी एकत्र नहीं हो पाता है। बार-बार समाचार प्रकाशन के बावजूद स्थानीय तथा जनपद पंचायत उदयगढ़ द्वारा कड़ी शटर की मरम्मत नहीं कराई जा रही है। जिसका नतीजा स्टॉप डेम सहित संपूर्ण क्षेत्र नदी में कंकर पत्थर नजर आ रहे हैं। पानी सूख चुका है पिछले वर्षों में स्टॉप डेम का गहरीकरण भी नहीं कराए जाने से भी जल संग्रह नहीं हो पा रहा है। नदी सूख जाने से वन्य प्राणियों को पेयजल की समस्या आगामी दिनों में आएगी यदि हथनी नदी की सहायक नदी नालों का पर बने तालाबों से कुछ मात्रा में पानी छोड़ा जाए तो जल व्यवस्था हो सकती है।

धूमधाम से मनाई महाशिवरात्रि, शिवालयों में उमड़ी भक्तों की भीड़

माही की गूंज, आम्बुआ।

भूतभावन भोले शंकर तथा माता पार्वती की प्रिय महाशिवरात्रि क्षेत्र में धूमधाम से मनाई गई। शिवालयों में सुबह से लेकर रात्रि तक पूजन अर्चन तथा आरती का क्रम चलता रहा, इस वर्ष मंदिरों में भीड़ अधिक दिखाई दी। विगत वर्ष कोरोना के कारण महाशिवरात्रि पर्व केवल औपचारिकता मात्र रहा था। मगर इस वर्ष कोरोना के प्रतिबंधों में छूट मिलने के कारण तथा विगत वर्ष कोरोना काल में ऑनलाइन शिवपुराण की कथा सीहोर वाले पंडित श्री प्रदीप मिश्रा द्वारा वाचन किए जाने का असर इन दिनों श्री शंकर भक्तों पर विशेष रूप से पड़ा। जिस कारण शिवालयों में प्रति सोमवार, प्रदोष काल आदि समय भारी भीड़ जुटती रही है। यही कारण है महाशिवरात्रि पर भी महाशिवपुराण कथा का ही असर है कि भोलेनाथ की पूजा अर्चना करने हेतु शिवालयों में छोटे-छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक कतार में लगे रहकर अपनी बारी का इंतजार करते नजर आए। आम्बुआ में भी पुजारी शंकर लाल पारीख ने पूजा अर्चना तथा आरती की। समीप ग्राम अडवाड़ा, आगौनी, गुड़ा आदि स्थानों पर भी दिनभर तथा रात्रि तक शिव भक्तों की भीड़ रही। महिला मंडल द्वारा शिव विवाह के गीत तथा भजन गाकर भोलेनाथ को प्रसन्न किया गया। समीप ग्राम अडवाड़ा में श्री अडकेश्वर महादेव मंदिर में सरपंच श्रीमती वेस्ती नारायण सिंह चौहान तथा आगौनी में विजय राठौड़ परिवार ने विशेष पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर महाप्रसादी का वितरण भी किया गया।

भोले के दरबार में उमड़ी आस्था, बाबा के दर्शन करने श्रद्धालु पहंचे पैदल

मेले में लोगों ने झूला-चकरी के साथ ही जमकर की खरीदारी

माही की गूंज, अलीराजपुर।

नगर में स्थित श्री पंचेश्वर महादेव मंदिर पर इस वर्ष भी उल्लास और उत्साह के साथ शिवरात्रि पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर शिव अभिषेक, पूजन, महाआरती के बाद फरियाली खिचड़ी तथा भांग प्रसादी ठंडाई महाप्रसादी का वितरण किया गया। श्री पंचेश्वर धाम समिति द्वारा भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष बनने पर नागरसिंह चौहान का फूल माला, शाल व श्रीफल देकर सम्मान किया गया। वही जिला महिला अध्यक्ष बनाए जाने पर ओछाबलाल सोमानी का भी फूल माला, शाल व श्रीफल देकर सम्मान किया गया। भगवान पंचेश्वर महादेव विशेष श्रृंगार किया गया। श्री पंचेश्वर धाम के पूरे पंडाल को भगवा झंडे एवं झंडी केशरिया कपड़े से एवं मंदिर को फूल बंगले से सजाया गया। इस बार श्री पंचेश्वर धाम समिति द्वारा सुबह से फरियाली भण्डारे का आयोजन किया गया। दूर-दूर से भगवान श्री पंचेश्वर महादेव के दर्शन करने के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। जिला प्रशासन द्वारा महाशिवरात्रि पर दिप उत्सव का आयोजन किया गया। जिसमे हज़ार दिए प्रज्वलित किए गए। दिप प्रज्वलित का शुभारंभ नगरपालिका अध्यक्ष रितेश डावर, एसडीएम लक्ष्मी गामड़ ने किया। भगवान भोले नाथ की शयन आरती रात 12 बजे की गई।

जैनाचार्य पूज्य श्री उमेशमुनिजी की 90वीं जन्म जयंती पर गुणानुवाद सभा का आयोजन

माही की गूंज, थांदला

पूज्य श्री धर्मदास सम्प्रदाय के प्रमुख संत जिन शासन गौरव जैनाचार्य पूज्य श्री उमेशमुनिजी ÷अणु÷ म.सा. की 90वीं जन्म जयंती थांदला में विराजित महासती पूज्या श्री निखिलशीलाजी म.सा. अदि ठाणा - 4 के पावन सानिध्य में त्याग व तप से पौषध, संवर, सामयिक तथा उपवास, आयम्बिल, एकासन आदि विविध आराधना करके मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित गुरु गुणानुवाद धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए पूज्या महासती श्री निखिलशीलाजी म. सा. ने कहा कि यह पंचम आरा तपती दोपहरी के समान विषमताओं से भरा हुआ है जिसमें गुरुदेव का जन्म शीतल बयार के समान है। उन्होंने गुरुदेव की प्रेरणा को अमृत तुल्य बताते हुए कहा कि जिन्होंने भी गुरुदेव के जीवन से थोड़ी भी प्रेरणा ग्रहण की है

उन्होंने अमृत पाकर अमरता कि ओर अपने कदम बढ़ाए है। उन्होने गुरुदेव के जीवन को संयम के प्रति समर्पित जीवन बताते हुए कहा कि उनकी साधना शक्ति वर्धक रही हुई थी, उनके ज्ञान आगम प्रमाण होकर उनमें एक आगम पुरुष की झलक दिखाई देती थी, दादा गुरुदेव व गुरु भ्राता की सेवा उनके विनय गुण को बताती है, उनकी शारीरिक विषमता के बावजूद संयम में सजगता रुग्ण एवं वृद्ध सन्तों को संयम में स्थिर करने के लिए सशक्त उदाहरण है, यही कारण है कि वे संयम साधना में सदा से ही शिथिलाचार के घोर विरोधी रहे है वही उन्होंने अपनी अंतिम आराधना में भी किंचित दोष का सेवन नही होने दिया। वे कछुओं की भांति इन्द्रिय गोपन करने वालें, मितभाषी, अप्रमत्त जीवन के लिए सदा याद किये जाते रहेंगे। उनकी आराधना एक मात्र मोक्ष लक्ष्य के लिए ही होती थी। पूज्या श्री ने अनेक प्रसंगों के माध्यम से उनके विविध गुणों को बताते हुए उनके जीवन से प्रेरणा लेने का उपदेश दिया। इस अवसर पर पूज्या श्री प्रियशीलाजी म.सा. ने कहा कि गुरुदेव ने फाल्गुन विदी अमावस्या की काली रात में जन्म लेकर पूरे जगत को ज्ञान के प्रकाश से आलोकित किया है। गुरुदेव संयम के सजग प्रहरी बनकर निर्दोष चर्या से अपने आत्म लक्ष्य की और अग्रसर होते हुए स्व-पर कल्याणकारी बने। इस अवसर पर पूज्या श्री दीप्ति श्रीजी म.सा. ने पुष्प में गुलाब, नदियों में गंगा, पर्वतों में सुमेरु पर्वत आदि उपमाओं से गुरुदेव की तुलना करते हुए उन्हें नर में श्रेष्ठ बताया। उन्होने वो उमेश गुरु हमारें स्तवन के माध्यम से गुरु की महिमा गाई। इस अवसर पर अणु आराधना मण्डल व श्रीमती ममता तलेरा ने स्तवन के माध्यम से गुरु के गुणगान किये वही श्रीसंघ कि ओर से वरिष्ठ स्वाध्यायी भरत भंसाली ने गुरु के उपकारों को याद किया। इस अवसर पर संघ की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी देते हुए श्रीसंघ अध्यक्ष जितेंद्र घोड़ावत, प्रवक्ता पवन नाहर व ललित जैन नवयुवक मंडल अध्यक्ष रवि लोढ़ा ने बताया कि जन्म भूमि थांदला में गुरुदेव के उपकारों को याद करते हुए सकल श्रीसंघ में बड़ी संख्या में उपवास, एकासन तथा आयम्बिल व निवि आदि विभिन्न तप हुए। इस दौरान अनेक श्रावक श्राविकाओं ने तीन तीन सामयिक की। गुणानुवाद सभा की प्रभावना के लाभार्थी प्रकाशचंद्रजी घोड़ावत परिवार, चंद्रकांत छाजेड़ परिवार एवं सुशीला बहन चौरड़िया (जावरा) रहे। इस दौरान नवकार महामंत्र जाप का आयोजन किया गया जिसकी प्रभावना सुरेशचंद्रजी चौधरी परिवार द्वारा प्रदान की गई। समस्त एकासन आदि तपस्वियों के तप अनुमोदना का लाभ मुलचंदजी लुणावत परिवार ने लिया। वही रात्रि संवर पौषध की प्रभावना मनीष कुमार अमृतलाल चौपड़ा परिवार द्वारा वितरित की गई। गुणानुवाद सभा का संचालन संघ के सचिव प्रदीप गादिया ने किया।

पगड़ी की रस्म में रक्तदान की अनूठी पहल

माही की गूंज, अलीराजपुर।

जिले में पगड़ी कार्यक्रम में एक अनूठा आयोजन हुआ। पं. सुरेश कुमार ओझा की पगड़ी रस्म में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। इस आयोजन की विशेषता यह थी कि, कार्यक्रम में जितने भी रिश्तेदार आए थे। उनमें से अधिकांश ने ब्लड डोनेट कर मानवता की सच्ची मिसाल पेश की। इस दौरान 7 यूनिट ब्लड डोनेट किया गया। जिले के इतिहास में यह अभी तक पहला ऐसा मौका था, जब गमगीन मौके पर रक्तदान की पहल की गई।

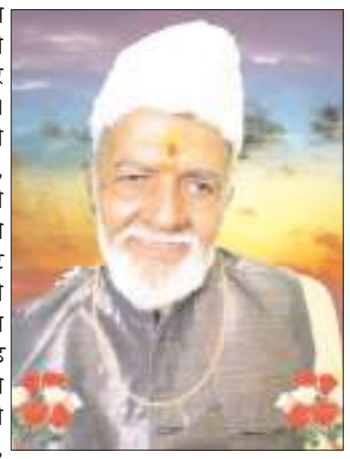

कार्यों की हुई प्रशंसा-सेवानिवृत्त राजस्व विभाग राजपौराणिक पं. सुरेश कुमार ओझा का देवलोक गमन 14 फरवरी को हो गया था। नगर के विभिन्न समाज गणमान्यों व वरिष्ठजनों ने पगड़ी रस्म में पुष्पांजलि अर्पित करते हुए, आपके द्वारा नगर में किए गए कार्यों की प्रशंसा व्यक्त करते हुए, स्मरण किया। पं. सुरेश कुमार ओझा के पगड़ी रस्म में परिवार के द्वारा रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। रक्तदाताओं को डॉ. प्रमेय रेवड़ियां ने प्रशंसा पत्र वितरित किए। जिसमें राजस्व विभाग के पं. सुरेश कुमार ओझा के पगड़ी रस्म में, ब्राह्मण समाज में जिले में पहला मोका जिसमे परिवार व शुभ चिंतकों ने रक्त दान किया। परिवार के सदस्य श्रीमती पुर्णिमा व्यास, श्रीमती ज्योति व्यास, पं. योगेश ओझा ने सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त किया।

राख बुधवार उपवास में युक्रेन व विश्व शांति प्रार्थना की

माही की गूंज, झाबुआ

राख बुधवार से कैथोलिक ईसाई समाज के चालीसा काल की शुरुआत हुई। यह सभी कैथोलिक ईसाई समुदाय के लिए उपवास, परहेज और विशेष प्रार्थना का समय है। राख बुधवार के दिन पवित्र मिस्सा बलिदान के दौरान प्रत्येक ईसाई धर्मावलंबी के मस्तक पर राख से क्रूस का चिन्ह बनाया जाता है, जो सभी को याद दिलाता है कि, हम मिट्टी से बने हैं और मिट्टी में मिल जाएंगे। इस चालीसा काल में विशेष प्रार्थना द्वारा विशेष वरदान प्राप्त करने का समय है। इन 40 दिनों में प्रत्येक शुक्रवार को विशेष प्रार्थना होती है, जिसे क्रूस रास्ता कहां जाता है,. इसमें हम 14 स्थानों पर खड़े रहकर प्रभु यशु के दुख भोग को याद करते हैं। यह 14 स्थान प्रत्येक चर्च में दीवारों पर चित्र के रूप में या मूर्ति के रूप में प्रदर्शित होते है,. प्रत्येक क्रॉस मार्ग के बाद पवित्र मिस्सा बलिदान चढ़ाया जाता है।. यह चालीसा राख बुधवार से शुरू होता है और गुड फ्राइडे को समाप्त होता है। उसके बाद वाला रविवार ईस्टर रविवार के रूप में मनाया जाता है। बुधवार को चालीसा के प्रथम उपवास के दिन कैथोलिक ईसाई धर्म के सर्वोच्च धर्मगुरु पोप फ्रांसिस ने संपूर्ण विश्व से आह्वान किया है कि, यह उपवास यूक्रेन के लिए विशेष प्रार्थना के रूप में संपन्न करें ताकि विश्व में शांति स्थापित हो सके।

जिले के नगरीय क्षेत्रों में स्वच्छता सर्वेक्षण के तहत किए जा रहे विशेष प्रयास

मनमोहक पेन्टीग के जरिए आमजन जुड़ रहे अभियान से

माही की गूंज, अलीराजपुर।

कलेक्टर राघवेन्द्र सिह के मार्गदर्शन में स्वच्छता सवेर्क्षण 2022 के तहत जिले के नगरीय क्षेत्र अलीराजपुर, जोबट एवं चन्द्रोखर आजाद नगर में स्वच्छता जागरूकता हेतु विशेष प्रयास किए जा रहे है। उक्त नगरीय क्षेत्रों में सावर्जनिक दीवारों पर मनमोहक चित्रकारी, स्वच्छता कार्य, मार्गो, गलियो, नाले एवं नालियों की सफाई का कार्य किया जा रहा है। सिंगल यूज प्लास्टीक का उपयोग न हो इसके लिए जागरूकता प्रयास किए जाकर सिंगल यूज प्लास्टीक से होने वाले नुकसान की जानकारी दी जा रही है। सिंगल यूज प्लास्टीक का उपयोग नहीं करने के लिए आमजन को प्रोत्साहित किया जा रहा है। जागरूकता प्रयासों के तहत आमजन को सुखा और गिला कचरा अलग-अलग कचरा वाहन में फैकने की समझाइश दी जा रही है। आमजन को मकान निमार्ण सामग्री सडक पर फैलाकर रखने के बजाए निमार्ण स्थल पर रखे जाने के लिए जागरूक किया जा रहा। कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने तीनों नगरीय निकाय के नागरिकों से आह्वान किया है कि, स्वच्छता सवेर्क्षण के तहत किये जा रहे प्रयासों में सहभागिता करते हुए स्वच्छता प्रयासों में सहयोग करें। उन्होंने वार्ड वार बनाए गए नोडल अधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग करते हुए स्वच्छता प्रयासों में आमजन को सहभागी बनाने के प्रयासों को बल देने के दिशा निर्देश भी दिए है। कलेक्टर श्री सिंह ने व्यापारीगण से आह्वान किया है कि, कचरा डस्टबीन के अंदर एवं कपडे के थैले में सामान लेने के लिए ग्राहकों को प्रोत्साहित करें। कलेक्टर श्री सिंह ने सावर्जनिक स्थान पर कचरा फैकने वालों, सिंगल यूज प्लास्टीक विक्रय करने वालों तथा लंबे समय से मकान निमार्ण सामग्री सावर्जनिक स्थान पर पडी रखने वाले व्यक्तियों पर कार्रवाई के निर्देश भी दिए है।

मक्का के खेत में छुपा रखी थी अवैध शराब, दो आरोपी गिरफ्तार

माही की गूंज, अलीराजपुर।

थाना आजादनगर क्षैत्रान्तर्गत ग्राम कालियावाव लोहार फलिया में अवैध रूप से बडी मात्रा में शराब संगृहित कर रखी थी। जिसकी सूचना प्राप्त होनें पर पुलिस अधीक्षक की निगरानी में अवैध शराब की धरपकड हेतु थाना प्रभारी आजादनगर निरीक्षक विजय देवडा के नेतृत्व में उनके अधीनस्थ आजादनगर थानें से पुलिस टीम गठित की गई। पुलिस टीम के द्वारा अवैध शराब की धरपकड हेतु सूचित स्थान पर घेराबन्दी की गई। घेराबन्दी के दौरान ग्राम कालियावाव लोहार फलिया निवासरत राकेश पिता सबु बामनिया भील से के घर पर पुलिस टीम के पहुंचने पर पुलिस टीम को देख 2 व्यक्ति भागनें लगे। जिनकों पुलिस टीम के द्वारा घेराबंदी कर पकड लिया गया तथा पूछताछ करनें पर अपना नाम राकेश पिता सबु एवं बन्टी उर्फ बन्नी पिता दिलीप बताया। इनसे सख्ती से

पूछताछ कर अवैध शराब के संबंध में तलाश करनें पर आरोपी राकेश के घर के आगे मक्का के खेत से बडी मात्रा में अंग्रेजी शराब संगृहित रखी हुई थी। पुलिस टीम के द्वारा उक्त स्थान से 336.96 बल्क लीटर अंग्रेजी शराब एवं एक लाख 11 हजार 900 रुपए कीमती अवैध शराब जप्त कर थाना आजादनगर में अपराध क्रमांक 74/2022, धारा 34-2 आबकारी एक्ट का पंजीबद्ध कर जांच में लिया गया। साथ ही आरोपी राकेश पिता सबु एवं बन्टी पिता दिलीप को गिरफ्तार किया गया।

उक्त अवैध शराब के विरूद्ध कार्रवाई में थाना प्रभारी आजादनगर निरीक्षक विजय देवडा, उनि जयराम वसुनिया, सउनि मधुराजसिंह, सउनि भगवानसिंह, आर रोहित एवं आर भारत का सराहनीय योगदान रहा है। जिनको पुलिस अधीक्षक अलीराजपुर के द्वारा पुरस्कृत करनें की घोषणा की है। पुलिस अधीक्षक अलीराजपुर मनोज कुमार सिंह ने बताया कि, अलीराजपुर पुलिस के द्वारा अवैध शराब के विरूद्ध अभियान छेडा हुआ है तथा लगातार बडी कार्यवारियॉ की जा रही है। आजादनगर क्षैत्रान्तर्गत जप्त उक्त शराब के संबंध में अवैध शराब के स्त्रोंत की जांच की जा जारी है तथा अवैध शराब के विरूद्ध आगे भी इसी प्रकार से कठोर एवं प्रभावी कार्रवाई जारी रहेगी।

चार साल से न्यायालय से न्याय की तलाश कर रहा ननु

अतिक्रमण हटाने के आदेश के बाद न्यायालय में स्टे की अपील भी हुई खारिज, फिर भी नही हटा अतिक्रमण

माही की गूंज पेटलावद ,राकेश गेहलोत

तहसील न्यायालय पर राजनीतिक रसूक इस कदर हावी है कि, न्याय की लड़ाई लड़ने वाला अपनी लड़ाई भूल कर सिस्टम से कैसे लड़ा जाए इस जगद्दोजद में लग जाता है। मामला पेटलावद विकास खण्ड की ग्राम पंचायत बनी का है, ननु मुणिया के घर के सामने एक व्यक्ति ने अतिक्रमण कर रास्ता बंद कर दिया, जिसकी शिकायत ननु के द्वारा तहसील न्यायालय में जहॉ दो साल से अधिक समय तक लड़ने के बाद ननु के हक में फैसला आया और अतिक्रमण हटाने के आदेश जारी हुए, लेकिन उसका पालन नही किया गया। वही अतिक्रमण हटाने के नाम पर लगातार ननु को गुमराह किया गया। अतिक्रमणकर्ता द्वारा न्यायालय को गुमराह कर पट्टा होने का हवाला देकर प्रथम श्रेणी न्यायालय में स्टे की मांग की, जहॉ पट्टा जारी करने वाले पूर्व सरपंच और सचिव सहित वर्तमान सरपंच ,सचिव द्वारा किसी प्रकार का पट्टा जारी नही करने और रेकॉर्ड में अतिक्रमणकर्ता के नाम से रिकार्ड मे पट्टा उल्लेख नही होने के चलते पंचायत ने शपथपत्र दिया। जिसके बाद न्यायालय से स्टे के लिए की गई अपील को न्यायालय ने खारिज कर दिया ।

तहसील न्यायालय ने अतिक्रमणकर्ता के स्टे प्रकरण को किया खारिज़

ननु के मकान के ठिक आगे किया गया अवैध अतिक्रमण

न्यायालय के आदेश के साथ तहसीलदार से अतिक्रमण हटाने की मांग

बनी निवासी ननु मुणिया ने बताया कि, पेटलावद न्यायालय से विपक्षी का स्टे खारिज़ होने के बाद मेरे द्वारा अनुविभागीय अधिकारी और नायाब तहसीलदार ठप्पा झकनावदा के तहसीलदार महोदय को पूर्व में तहसील न्यायालय से जारी आदेश ओर प्रथम श्रेणी न्यायालय से जारी आदेश के साथ अतिक्रमण हटाने की मांग की, जिस पर ग्राम पंचायत के माध्यम और तहसील न्यायालय के माध्यम से अतिक्रमणकर्ता को नोटिस जारी कर अतिक्रमण हटाने को कहा गया, जिसके बाद भी अतिक्रमण आज तक मौके से नही हटाया गया। विपक्षी बार-बार न्यायालय के निर्णय की जानकारी छुपा कर जिला अधिकारीयो को गुमराह कर किसी न किसी प्रकार से अतिक्रमण बचाने में कामयाब हो रहा है। ननु मुनिया ने बताया कि, न्यायालय के माध्यम से विगत 4 वर्षो से न्याय की लड़ाई लड़ने के बाद भी उसे न्याय नही मिल रहा जिससे में और मेरा परिवार मानसिक रूप से प्रताड़ित हो रहे हैं ।

विवाद की स्थिति होती है निर्मित

न्याय के लिए विगत चार वर्षो से न्यायालय के चक्कर लगा रहा ननु परेशान हो चुका है। विकास खण्ड में ऐसे कई मामले सामने आ चुके हैं जिसमे तहसील न्यायालय द्वारा मामले के निराकरण के बाद भी जमीनी सुधार या निराकरण नही किया गया। जिस कारण न्यायालय में विवाद खत्म होने के बाद भी आपसी विवाद मौके पर लगातार जारी रहता है, जो कभी भी बड़े विवाद के रूप में सामने आता है। जिसके बाद अधिकारी और पुलिस प्रशासन सक्रिय होकर ताबड़तोड़ निराकरण मौके पर करता है, लेकिन इस सब के बीच मे कई लोगो को बड़े विवाद का निशाना बनाना पड़ता है ।

इस सम्बध में अनुविभागीय अधिकारी शिशिर गेमावत ने जल्द से जल्द निराकरण करने की बात कही है।

अब मैं हूं, किसी से कोई बात नहीं करना, कैसे करना, क्या करना मैं सब बात कर लूंगा- मंडल अध्यक्ष

मामलाः भाजपा जिला अध्यक्ष के विरूद्ध प्रभारी मंत्री को शिकायत से रोकने व पीड़िता के पति को गुमराह करने का

माही की गूंज, झाबुआ

यौन उत्पीड़न के आरोपों में घिरे भाजपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मण नायक की मुसीबतें कम नही हो रही है। एक मामले में हाईकोर्ट के निर्देश और एक अन्य मामले में जन सुनवाई में आए आवेंदन के बाद लक्ष्मण नायक पर अपराध दर्ज होने की तलवार लटक रही है। गूंज को एक ऑडियो रिकॉडिंग हाथ लगी है, जिसमे पेटलावद के मंडल अध्यक्ष यौन शोषण के आरोप लगाने वाली महिला के पति को मामले का निपटारा करने का प्रलोभन देते सुनाई दे रहे हैं। हालांकि आडियो पुराना है और गौरव यात्रा के दौरान जिले के दौरे पर पेटलावद क्षेत्र में आए प्रभारी मंत्री इंदरसिंह परमार को महिला के द्वारा जिलाध्यक्ष के खिलाफ आवेंदन देने से रोकने के लिए बताया जा रहा है। चूंकि पीड़ित महिला पेटलावद क्षेत्र की थी और गौरव यात्रा का आगमन रतलाम जिले से पेटलावद क्षेत्र में हुआ था। पीड़ित महिला द्वारा बामनिया में होने वाली सभा मे पहुँच कर लक्ष्मण नायक की शिकायत प्रभारी मंत्री से करने की तैयारी थी, जिसकी जानकारी पेटलावद मंडल अध्यक्ष को लगने पर मंडल अध्यक्ष ने पीड़ित महिला के पति को फोन पर शिकायत करने से रोका। मात्र 37 सेकेंड की इस ऑडियो में मण्डल अध्यक्ष स्थानीय स्तर पर हमको देख लो और अब मैं हु तुम्हारा सब निपटारा करवा दूँगा, अब मैं हु कहते हुए सुनाई दे रहे हैं। कही न कही मंडल अध्यक्ष अपने ही गाँव में गौरव यात्रा की शुरुआत में ही प्रभारी मंत्री के सामने किरकिरी होने से बचना चाहते थे, जिसके लिए ही महिला के प्रति बदनियती रखने वाला भाजपा जिला अध्यक्ष के निर्देशन में पेटलावद मण्डल अध्यक्ष ने पीडिता के पति को प्रलोभन देने का एक असफल प्रयास किया। वही गौरव यात्रा के दौरान जिलाध्यक्ष भी बामनिया मुख्य चोराहे पर महिला के द्वारा आवेंदन दिए जाने की अपुष्ट जानकारी के बाद सीधे सभा स्थल पर पहुँचे थे, जहॉ सभा को भी जल्दबाजी में निपटा कर काफिला आगे बढ़ा दिया गया था। यहा स्थानिय व्यक्ति का हवाला देकर मण्डल अध्यक्ष कि स्थानिय भावनाओ को इस आस्वासन के साथ विश्वास किया था कि मण्डल अध्यक्ष द्वारा उपर स्तर पर बात कर मामले को निपटा देगे और वो मामले मे पुरी तरह से साथ देगा परंतु महिलाओ के प्रति बदनियती रखने वाले जिला अध्यक्ष के साथ स्थानिय भाजपा मण्डल अध्यक्ष मिलकर मुझे गुमराह किया गया है यह पीडिता के पति द्वारा कहा जा रहा है।

रूस-यूक्रेन के बीच छिड़े युद्ध मे फंसा छात्र , परेशान परिवार ने सीएम हेल्पलाइन पर लगाई मदद की गुहार

मुख्यमंत्री और जिला प्रशासन ने बातचीत कर दिया आश्वासन

माही की गूंज , जामली

विकास खण्ड के छोटे से ग्राम जामली से एमबीबीएस की पढ़ाई करने यूक्रेन गया युवक जयेश अम्बालाल भटेवरा रूस और यूक्रेन के बीच छिड़ी जंग में फस गया जिससे युवक अपने देश नही लौट पा रहा है , परेशान परिवारजनों ने सीएम हेल्पलाइन पर गुहार लगा कर मध्यप्रदेश सरकार से मदद मांगी है और यूक्रेन में फंसे जयेश को शकुशल देश लाने की मांग की है । युवक विगत 05 वर्षो से यूक्रेन में पढ़ाई करने गया हुवा है जहाँ युद्ध के हालत के कारण यूक्रेन में ही फस गया हैं , फिलहाल जयेश की परिवार से लगातार बातचीत हो रही है और वो सुरक्षित भी है , माही की गूंज ने भी जयेश से चर्चा कर उसके और यूक्रेन के हालात जाने जयेश ने बताया कि वो सुरक्षित है उसके साथ लगभग 500 भारतीय छात्र फसे हुवे है जिसमे से 30 से 35 मध्यप्रदेश के है । जयेश ने गूँज को बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और झाबुआ ज़िला कलेक्टर द्वारा संपर्क कर जल्द से जल्द यहां से सुरक्षित निकालने का आश्वासन दिया है ।

बार्डर से दो हजार किलोमीटर दूर होने के कारण लग सकता है समय

बातचीत में छात्र जयेश भटेवरा बताया कि यूक्रेन में जिस स्थान पर है वो बार्डर से लगभग डेढ से दो हजार किलोमीटर दूर है जिससे यहां से निकलने में परेशानी हो रही है क्योंकि कई रास्तों पर भारी बमबारी के कारण सड़क मार्ग पूरी तरह प्रभावित हो गया है । जयेश ने बताया वो सुरक्षित है और लगातार परिवार व प्रशासन के संपर्क में है उम्मीद है की जल्द जल्द सरकार हमे यहां से निकाल लेगी।

उद्धव सरकार को घेरने की तैयारी में भाजपा

मुम्बई।

महाराष्ट्र विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार पर अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री नवाब मलिक को बचाने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए विपक्षी भाजपा ने मलिक का इस्तीफा मांगा है। भाजपा ने संकेत दिया है कि, गुरुवार से शुरू हो रहे राज्य विधानमंडल का बजट सत्र इस मुद्दे पर तूफानी शुरुआत के साथ हो सकता है। हाल ही में मनी लॉन्ड्रिंग और अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम से रिश्तों के आरोप में ईडी ने नवाब मलिक को गिरफ्तार किया था।

नवाब मलिक, जो राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) से ताल्लुक रखते हैं को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 1993 के मुंबई विस्फोटों के आरोपी और अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम से जुड़े एक कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया था। मामले में एमवीए के नेताओं ने आरोप लगाया है कि, भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार विपक्षी पार्टियों के नेताओं के खिलाफ केंद्रीय जांच एजेंसियों का इस्तेमाल कर रही है। ऐसे में मलिक को इस्तीफा देने की जरूरत ही नहीं है।

अब इस घटनाक्रम में महाराष्ट्र भाजपा फ्रंटफुट पर आ गई है। पूर्व मुख्यमंत्री और विपक्ष के नेता

देवेंद्र फडणवीस ने कहा, कुछ ऐसा जो अब तक महाराष्ट्र में नहीं हुआ है और देश महाराष्ट्र में हो रहा है। मंत्री नवाब मलिक को बम विस्फोट मामले में एक आरोपी और दाऊद इब्राहिम के एक सहयोगी के साथ लेन-देन करने के आरोप में गिरफ्तार किए जाने के बाद भी पूरे मंत्रिमंडल ने उनका समर्थन किया है।

राज्य विधानमंडल के बजट सत्र की पूर्व संध्या पर बोलते हुए फडणवीस ने कहा कि, मुंबई में 1993 के बम विस्फोटों के घाव आज भी ताजा हैं। उन्होंने कहा कि, यह पहला उदाहरण है जब कोई गिरफ्तार होने और पुलिस हिरासत में भेजे जाने के बावजूद अपने मंत्री पद पर डटा है। फडणवीस ने एमवीए पर किसानों, मराठों और अन्य पिछड़े वर्गों (ओबीसी) जैसे वर्गों को धोखा देने का भी आरोप लगाया।

फडणवीस ने आगे कहा कि, मुझे आश्चर्य है कि शिवसेना नेता (उद्धव ठाकरे) के नेतृत्व वाली सरकार मुंबई में हुई लोगों की हत्याओं से निपटने के आरोपी के साथ खड़ी है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है, अगर यह उनका रुख है, तो यह सरकार वह है जिसने दाऊद के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। उनका (मलिक) इस्तीफा लिया जाना चाहिए क्योंकि वह एक मंत्री है और उन्होंने बम विस्फोटों के एक आरोपी से जमीन खरीदी है जो दाऊद से जुड़ा है।

नारायण राणे के जरिए परेशान करने का आरोप

फडणवीस ने कहा कि, एमवीए केंद्रीय मंत्री नारायण राणे, उनके बेटे और विधायक नितेश, राज्य विधान परिषद में विपक्ष के नेता प्रवीण दारेकर और पार्टी पदाधिकारी मोहित काम्बोज जैसे भाजपा नेताओं को लगातार निशाना बना रहा है। फडणवीस ने काम्बोज के लिए पुलिस सुरक्षा की मांग की, जिन्हें शिवसेना नेताओं ने निशाना बनाया है और एमवीए को पिछले भाजपा के नेतृत्व वाले शासन के दौरान भ्रष्टाचार के आरोपों में कार्रवाई करने की चुनौती दी।

फोटो 1 क्र 235

सरकार की अनोखी दास्ताः एकलव्य स्कूल के प्राचार्य 28 फरवरी को निलंबित तो 28 को ही निलंबन निरस्त होकर मण्डला ट्रांसफर

राज्यपाल के दौरे पर सामने आई थी एकलव्य परिसर की भारी अनियमिता

माही की गूंज, झाबुआ/पेटलावद

झाबुआ जिले के दौरे पर आए राज्यपाल मंगू भाई पटेल का गुरुवार को पेटलावद की ग्राम पंचायत करडावद स्थित एकलव्य स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने आये थे। कार्यक्रम के दौरान स्कूल की छात्राओं ने स्कूल व होस्टल में होने वाली अनियमिता की शिकायत राज्यपाल के सामने की थी, जिसके बाद मामला राष्ट्रीय स्तर पर मीडिया के माध्यम से पहुँच गया कि किस तरह से जिला प्रशासन भ्रष्टाचार कर देश के भविष्य कहे जाने वाले विद्यार्थियो के हक व उसका निवाला भ्रष्टो द्वारा छिना जा रहा है। वही मामला राज्यपाल के सामने आने के बाद हुई किरकिरी के साथ स्थानीय प्रशासन एकलव्य परिसर में जांच में जुटे थे। मामले में होस्टल अधिक्षिका को उसी दिन निलंबित किया गया थां, जिसके बाद जांच जारी थी। पर मामले में देखा जाये तो होस्टल अधिक्षिका से लेकर कलेक्टर तक के अधिकारी कि अनियमित्ता सामने आ रही है और हर अधिकारी अपने आप को दुध का धोया साबित करने मे लगे है। खैर लगातार अधिकारी एकलव्य परिसर की अनियमितता की जांच में जुटे थे , जिसके बाद 28 फरवरी सोमवार को प्राचार्य योगेंद्र प्रसाद के निलंबन के आदेश जारी किए, लेकिन निलंबन आदेश का बुधवार दिन मे 2 मार्च को खुलासा हुआ। वही देर शाम को निलंबन निरस्त का आदेश भी सामने आ गया। प्राचार्य के निलंबन का प्रस्ताव कलेक्टर जिला झाबुआ के पत्र क्रमांक / वि.सं / 2022/1125 / दिनाक 25

निलंबित प्राचार्य योगेन्द्र प्रसाद

फरवरी को भेजा था जिसके आधार पर आयुक्त इंदौर ने निलंबन का आदेश जारी किया। आदेश में बताया गया कि, एकलव्य आदर्श आवासीय विधालय पेटलावद जिला झाबुआ मे महामहिम राज्यपाल महोदय म.प्र . शासन के भ्रमण के दौरान एकलव्य आदर्श आवासीय कन्या छात्रावास पेटलावद की छात्राओं द्वारा महामहिम राज्यपाल महोदय को अवगत कराया कि, छात्रावास मे गुणवत्तायुक्त भोजन नही दिया जा रहा है एंव संस्था की व्यवस्थाएँ ठीक नही है। कलेक्टर जिला झाबुआ ने प्रथम दृष्टया उक्त आरोप प्रमाणित होना पाया। प्रमुख सचिव, जनजातीय कार्य विभाग म.प्र .भोपाल द्वारा दुरभाष पर दिये गये निर्देश के तारतम्य् मे कार्यालयीन आदेश क्रमांक / 395 / शिकायत / 2022 / 808 -

राज्यपाल को छात्राओ ने बताई थी समस्या

809 / इंदौर दिनाक 25 फरवरी द्वारा संभाग स्तर से जांच दल का गठन किया जाकर जांच करवाई गई। जांच दल द्वारा दिनाक 27 फरवरी को दिये गये प्रतिवेदन अनुसार एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय पेटलावद मे योगेन्द्र प्रसाद प्राचार्य का संस्था एंव छात्रावास पर प्रशासकीय नियंत्रण नही है, जबकि संस्था एंव छात्रावास का प्रशासकीय नियंत्रण एंव वित्तीय अधिकार प्राचार्य के अधीन रहता है। प्राचार्य द्वारा शासकीय कार्य के प्रति लापरवाही एंव उदासीनता बरती गई। शासन द्वारा संचालित महत्वपूर्ण योजनाओं के क्रियान्वयन लापरवाही की जाती है, संस्था एंव छात्रावास के संचालन में कोई रूची नही ली जा रही है, छात्रावास के रख रखाव एंव भोजन की गुणवत्ता पर किसी भी प्रकार का कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जांच के समय भी भोजन की गुणवत्ता ठीक नही पाई गई, साथ ही जांच दल से अभद्र व्यवहार किया। जिससे जांच की कार्यवाही बाधित हुई एंव अभिलेखों की जांच नही की जा सकी। प्राचार्य द्वारा विद्यालय में अध्यापन कार्य भी नही किया जाता है। साथ ही जांच दल ने पाया कि, महामहिम राज्यपाल के समक्ष छात्रों द्वारा की गई शिकायत के बाद भी जांच दिनाक तक भी विद्यालय एंव छात्रावास की व्यवस्थाओं में कोई सुधार नही हुआ है। जिससे स्पष्ट है कि, प्राचार्य द्वारा अपने उक्त दायित्वों का निर्वहन सही ढंग से नही किया जा रहा है एंव छात्र-छात्राओ को दिये जाने वाले नाश्ते, भोजन तथा अध्यापन कार्य मे अत्यंत गंभीर लापरवाही की जा रही है। को देखते हुए प्राचार्य को निलंबित किया।

निरस्त निलंबन व ट्रासफर का यह आदेश सरकार की कथनी व करनी के अंतर को कर रही जाहिर

वाह एमपी सरकार तेरा जवाब नही

28 फरवरी को जारी एकलव्य परिसर के प्राचार्य योगेंद्र प्रसाद के निलंबन के आदेश जारी होने के बाद एक ओर आदेश सामने आया है जिसमें 28 फरवरी को मध्यप्रदेश शासन जनजातीय कार्य विभाग मंत्रालय भोपाल के उप सचिव द्वारा प्राचार्य प्रसाद को मंडला जिला ट्रांसफर कर दिया गया था। लेकिन आदेश जारी 2 मार्च देर शाम को जारी किया गया है, अब दोनों आदेशो के सामने आने के बाद फिर से राजनीतिक गलियारों में चर्चा आम हो रही है। विवादित प्राचार्य को बचाने के लिए कुछ नेता भोपाल स्तर पर सेटिंग के लिए लगे हुए है। अब ये देखना दिलचस्प होगा कि, कौनसे आदेश का पालन होगा। जानकारों का कहना है कि, एकलव्य स्कूल में जो कुछ हुआ वो राज्यपाल के सामने हुआ है और जांच दल की रिर्पोट के आधार पर निलंबन हुआ है। जब निलंबन हुआ संस्था का प्रभार प्राचार्य योगेंद्र प्रसाद के पास ही था। इससे ये माना जा रहा है कि, निलंबन का आदेश ही मान्य होगा। चर्चा ये भी हो रही है कि, इस मामले में बड़ी लेन-देन हो रही है जिससे सरकार की भारी किरकिरी हो रही है।

सहायक आयुक्त प्रशांत आर्य पर भी गिर सकती है गाज

झाबुआ सहायक आयुक्त जनजातीय विभाग प्रशान्त आर्य के लिए एकलव्य आवासीय विद्यालय में राज्यपाल का दौरा गले की हड्डी बन गया है। छात्राओ की शिकायत पर तत्काल निलंबित अधिक्षिका व प्राचार्य के बाद लगातार भोपाल से जांच दल जनजातीय विभाग से लेकर मुख्यमंत्री तक का संज्ञान लेना, फिर अतिथि शिक्षक द्वारा हकीकत बयां करता सिस्टम की मनमानी विडियो इंटरव्यू ने जनजातीय विभाग के प्रभारी सहायक आयुक्त आर्य की नींद उड़ा दी है। अब विभागीय प्रमुख सचिव पल्लवी जैन का संभावित 5-6 मार्च का दौरा तय करेगा कि आर्य को जीवन दान मिलेगा या सजा दान ।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- संजय भटेवरा । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई टाइटल कोड नंबर- एमपीएचआईएन-76422